आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 42 | उज्जैन, गुरुवार 02 जनवरी 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ

भोपाल में विज्ञान महाकुंभ, 700 से अधिक युवा वैज्ञानिक होंगे शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ करेंगे। रवीन्द्र भवन भोपाल में 3 से 6 जनवरी 2025 के बीच 4 दिवसीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना और उन्हें विज्ञान, नवाचार और तकनीकी क्षेत्र में योगदान करने के लिए प्रेरित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ÷यह आयोजन बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और नवाचार के क्षेत्र में नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। मध्यप्रदेश को इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी करते हुए गर्व हो रहा है।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में देश के 700 से अधिक विद्यार्थी, उनके शिक्षक और मेंटर भाग लेंगे। साथ ही बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत,

ओमान और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों के छात्र भी शामिल होंगे।

इस वर्ष राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय ÷स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को समझना÷ है। इस विषय को पांच उप-विषयों में विभाजित किया गया है, जिनमें पारिस्थितिकी तंत्र की समझ, पोषण व स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, आत्मनिर्भरता के लिए पारिस्थितिकी दृष्टिकोण, तकनीकी नवाचार और सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाएं शामिल हैं। राष्ट्रीय बाल विकास कांग्रेस एक राष्ट्रीय विज्ञान संचार कार्यक्रम है, जिसकी शुरुआत 1993 में हुई थी। यह भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के तहत राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद के द्वारा आयोजित किया जाता है। इसमें 10 से 17 वर्ष आयु वर्ग के बच्चे भाग लेते है।

वराह मिहिर वेधशाला का ऑटोमेशन का उद्धाटनमुख्यमंत्री डॉ. यादव वराह मिहिर खगोलीय वेधशाला के ऑटोमेशन का उद्घाटन भी करेंगे। इससे विज्ञान और खगोल विज्ञान के क्षेत्र में मध्यप्रदेश को नई पहचान मिलेगी। ऑटोमेशन होने से आम नागरिक अब घर बैठे ही वेधशाला के टेलीस्कोप का उपयोग कर सकेंगे।

मुख्य गतिविधियांराष्ट्रीय बाल विकास कांग्रेस में विभिन्न विषयों पर 20 से अधिक तकनीकी सत्र, कार्यशालाएं, प्रदर्शनी और विज्ञान आधारित खेलों का आयोजन होगा। इनमें चंद्रयान प्रदर्शनी, वॉटर रॉकेटरी, कागज से टोपी निर्माण, पर्यावरण साँप सीढ़ी का खेल, गणित सीढ़ी का खेल, जीव विज्ञान प्रदर्शनी, लीफ क्राफ्ट, पर्यावरण प्रदर्शनी, चीता प्रदर्शनी, लोक गीत द्वारा वैज्ञानिक जागरूकता, हाईड्रोपोनिक्स तकनीक रोबोटिक्स कार्यशाला, आकाशीय बिजली से बचाव पर प्रदर्शनी का आयोजन किया जायेगा। देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों एवं छात्रों के मध्य फेस-टू-फेस संवाद भी होगा। प्रतिष्ठित वैज्ञानिक जैसे सोलर मैन डॉ. चेतन सोलंकी (ढ्ढञ्ज मुंबई), डॉ. नंद कुमार (एम्स, दिल्ली) और डॉ. चैतन्य पुरी (आइसर पुणे) छात्रों के साथ संवाद करेंगे।

रक्षा मंत्रालय ने 2025 को सुधारों का वर्ष किया घोषित, सेना में हो सकते हैं ये अहम बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 की शुरुआत बुधवार से हो गई। नए साल के आगमन के साथ लोगों की कई उम्मीदें भी जुड़ गई हैं। इस बीच भारत ने इस साल को रक्षा सुधारों का वर्ष घोषित किया और कहा कि इसका उद्देश्य तीनों सेनाओं के बीच तालमेल को मजबूत करने और सेना को तकनीकी रूप से उन्नत युद्ध के लिए तैयार बल में बदलने के लिए एकीकृत थिएटर कमांड को शुरू करना होगा।

दरअसल, रक्षा मंत्रालय द्वारा नियोजित सुधारों का व्यापक उद्देश्य रक्षा अधिग्रहण प्रक्रियाओं को आसान और समय के प्रति संवेदनशील बनाना, प्रमुख हितधारकों के बीच गहन सहयोग सुनिश्चित करना, अक्षमताओं को खत्म करना और संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करना होगा।

भारत को मजबूत करने की दिशा में होगा काम- केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इस साल सुधार रक्षा तैयारियों में अभूतपूर्व प्रगति की नींव रखेंगे और 21वीं सदी की चुनौतियों के बीच भारत की सुरक्षा और संप्रभुता सुनिश्चित करेंगे। रक्षा मंत्रालय का थिएटर कमांड पर लक्ष्य कई मायनों में महत्वपूर्ण है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसने 2025 में सुधार उपाय का अनावरण करने की योजना का संकेत दिया है।

हेल्थ से लेकर एजुकेशन सेक्टर तक... नए साल पर इन 6 खबरों को पढ़कर खुश हो जाएगा मन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नये साल के मौके पर देश और दुनिया को काफी बेहतरी की उम्मीदें हैं। साल 2025 की शुरुआत के बाद से ही देश में काफी कुछ बदलने जा रहा है। जहां रेपो रेट में कमी आने की उम्मीद है, वहीं ट्रांसपोर्ट से लेकर एजुकेशन और हेल्थ से लेकर पर्यटन में कई बड़े बदलाव होंगे।

वित्तीय क्षेत्र में बदलाव- साल 2025 में महंगाई दर 4 से 4.5 फीसदी रहने का अनुमान है। इस दौरान रेपो रेट में कमी आ सकती है। रेपो रेट के 0.75 फीसदी तक कम होने का अनुमान है, जिससे लोन के ब्याज दर में भी कमी आ सकती है।

वहीं ईपीएफ सब्सक्राइबर अब कार्ड से भी विड्रॉल कर सकेंगे। ईपीएफ जमा का 50 फीसदी हिस्सा कार्ड से निकाला जा सकेगा। इसकी घोषणा जनवरी में की जा सकती है। वहीं 31 जनवरी से टॉप 500 शेयरों के लिए वैकल्पिक T+0 सेटलमेंट उपलब्ध होगा। इसका मतलब यह हुआ कि शेयर बेचने पर उसी दिन अकाउंट में पैसा आ जाएगा।

शिक्षा क्षेत्र में बदलाव- न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत शिक्षण सत्र 2025-26 में 10वीं और 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाएं साल में दो बार कराई जाएंगी।

26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का रास्ता साफ, अमेरिका ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत को 26/11 मुंबई आतंकी हमला मामले में बड़ी सफलता मिली है। पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा को भारत में लाने का रास्ता साफ हो गया है। अमेरिका की अदालत ने अब प्रत्यर्पण पर मुहर लगा दी है। एफबीआई ने साल 2009 में राणा को शिकागो से दबोचा था।

लॉस एंजिल्स जेल में बंद है राणा- तहव्वुर राणा मौजूदा समय में लॉस एंजिल्स की जेल में बंद है। 63 वर्षीय राणा ने लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी डेविड कोलमन हेडली को मदद पहुंचाई थी। हेडली मुंबई अटैक का मास्टरमाइंड है। भारत उसके भी प्रत्यर्पण की मांग लंबे समय से करता आ रहा है। अब भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत राणा को लाने का रास्ता साफ हो गया है।

भारत ने पेश किए मजबूत साक्ष्य- अदालत में भारत ने राणा के खिलाफ मजबूत साक्ष्यों को रखा। इसके बाद अमेरिका अदालत ने कहा कि भारत में राणा के खिलाफ लगे आरोप अमेरिका से अलग हैं। हालांकि वह अमेरिका के आरोपों के तहत बरी हो चुका है। अदालत ने माना कि डेविड हेडली की मदद पहुंचाने वाले राणा के खिलाफ भारत के सुबूत मजबूत हैं। इन साक्ष्यों को आधार पर अब राणा को जल्द भारत लाया जाएगा।

मणिपुर में तड़के सुबह पहाड़ी से बरसे गोले, ग्रामीणों को निशाना बनाना चाहते थे उग्रवादी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में बुधवार तड़के संदिग्ध उग्रवादियों ने इंफाल जिले के कदांगबंद इलाके में हमला किया। कांगपोकपी के पहाड़ी इलाकों से उग्रवादियों ने देर रात करीब एक बजे निचले इलाके में अत्याधुनिक हथियारों से कई राउंड गोलीबारी की और बम फेंके।

हमले में कोई घायल नहीं- गांव में तैनात वालंटियर ने भी जवाबी कार्रवाई की। लेकिन हालात को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों को क्षेत्र में भेजा गया। हालांकि पुलिस ने गोलीबारी में किसी के घायल होने की सूचना नहीं दी है।

पुलिस ने बताया कि हमले के बाद गांव के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। राज्य में मई 2023 में भड़की हिंसा के बाद से कदांगबंद इलाके में कई बार संदिग्ध उग्रवादियों ने हमले किए हैं।

भारी मात्रा में हथियार बरामद

पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों ने मणिपुर के बिष्णुपुर और थौबल जिलों में तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किए।

बिष्णुपुर जिले के थोंगखोंगलोक गांव से सुरक्षा बलों ने मंगलवार को मैगजीन के साथ एक एसएलआर, एक .303 राइफल, एक 12 बोर सिंगल बैरल गन, मैगजीन सहित दो 9 एमएम पिस्टल, एक एंटी रॉयट गन, दो इंसास एलएमजी मैगजीन, दो इंसास राइफल मैगजीन, चार हैंड ग्रेनेड, एक डेटोनेटर, पांच एंटी रॉयट शेल, गोला-बारूद और अन्य सामान जब्त किया है।

अंतरिक्ष में पिछले साल से फंसी हैं सुनीता विलियम्स, 16 सूर्योदय के साथ नए साल का करेंगी स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। हम 2024 को छोड़कर 2025 में प्रवेश कर चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में फंसी अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स नए साल यानी 1 जनवरी, 2025 को प्रवेश करते समय पृथ्वी पर 16 सूर्योदय और सूर्यास्त देखेंगी और यह भी कह सकते हैं वह 16 बार न्यू ईयर मनाएंगी। ऐसा इसलिए संभव हुआ है, क्योंकि वह इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आइएसएस) पर हैं। आइएसएस लगातार घूमता रहता है। इस स्टेशन पर सुनीता और उनके साथी अंतरिक्षयात्री कई सूर्योदय और सूर्यास्त देख सकते हैं।

पीएम मोदी ने देशवासियों को नए साल की दी शुभकामनाएं, काव्यात्मक अंदाज में लिखा भावपूर्ण संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के साथ विश्व भर में नए साल 2025 का शानदार आगाज हो चुका है। नए साल के स्वागत के बाद लोग एक दूसरे को बधाइयां दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मविश्वास से भरे भारत के मूड को दर्शाते हुए इंटरनेट मीडिया पर एक पोस्ट में देश के लोगों को नए साल की शुभकामनाएं दीं। साथ ही 2024 में हासिल की गई उल्लेखनीय प्रगति और परिवर्तन को याद किया।

पीएम मोदी ने एक भावपूर्ण संदेश में लिखा- पीएम मोदी ने इसे एक काव्यात्मक उत्सव बताते हुए एक्स पर साझा अपनी पोस्ट में कहा, मेरा भारत बढ़ रहा। पीएम मोदी ने एक भावपूर्ण संदेश में लिखा, स्पेस से लेकर धरती तक, रेलवे से लेकर रनवे तक, संस्कृति से लेकर नवाचार तक, भारत के लिए 2024 अभूतपूर्व प्रगति और परिवर्तन के वर्ष के रूप में दर्ज किया गया!

पीएम मोदी ने कहा, यह एक काव्यात्मक उत्सव है क्योंकि हम 2025 में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। पीएम मोदी ने नए साल के पोस्ट में 2.41 मिनट का एक वीडियो-एनिमेशन शेयर किया, जिसमें साल 2024 में हासिल की गई उपलब्धियों को दर्शाया गया।

वीडियो में देश के अंतरिक्ष प्रक्षेपण, सुपर-कंप्यूटिंग, रक्षा विनिर्माण में वृद्धि, विमानन उद्योग में वृद्धि, पानी के नीचे हावड़ा मैदान मेट्रो, रामेश्वरम रेल पुल और वंदे भारत रेल जैसे बुनियादी ढांचे के चमत्कार शामिल हैं। मेडिकल कालेजों की संख्या में वृद्धि और जनता के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास, अबू धाबी में पहले मंदिर और तीन नए आपराधिक कानूनों के लागू करने को भी उजागर किया गया।

पीएम मोदी ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं- 2024 में सरकार के प्रदर्शन के वर्चुअल रिपोर्ट कार्ड, एनीमेशन क्लिप में अर्थव्यवस्था के बारे में विशेष जानकारी दी गई। 700 अरब डालर के विदेशी भंडार के अलावा, इसने एशिया में तीसरी सबसे बड़ी ताकत के रूप में देश के उभरने और 24.82 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने को भी दर्शाया। 17 सितंबर को अपना जन्मदिन सैन्य जवानों के साथ मनाने वाले पीएम मोदी ने देशवासियों को नववर्ष की शुभकामनाएं दी हैं।

पाकिस्तान में शराब बैन, लेकिन एशिया की सबसे पुरानी डिस्टिलरी यहीं... ब्रिटिश परिवार ने पारसी फैमिली को सौंपा था कारोबार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1947 में जब ब्रिटेन ने भारत और पाकिस्तान को सत्ता हस्तांतरित की, तब कई बिजनेस का स्वामित्व भी एक-दूसरे को सौंपा गया था। इन्हीं में से एक मुरी ब्रूअरी भी थी। इसे एशिया की सबसे पुरानी डिस्टिलरी में से एक माना जाता है।

मुरी ब्रूअरी का स्वामित्व पहले ब्रिटिश परिवार को पास था। लेकिन बाद में इसे लाहौर की भंडारा फैमिली को सौंप दिया गया। ये एक पारसी परिवार था, जो शराब के बिजनेस से सफलतापूर्वक आगे बढ़ा था। इस ब्रूअरी का संचालन अब इस्फान्यार भंडारा करते हैं।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, हाल ही में उन्होंने अपनी नेपाल यात्रा के दौरान नई दिल्ली में हॉल्ट किया। नीले आउटफिट पर पाकिस्तानी झंडा का बैज लगाए बिजनेसमैन इस्फान्यार ने कहा कि ये मेरी दसवीं भारत यात्रा है।

पाकिस्तान में बैन है शराब- पाकिस्तान एक इस्लामिक गणराज्य है। यहां की लगभग 96 फीसदी आबादी मुस्लिम है। इसलिए पाकिस्तान में शराब के कारोबार को काफी ज्यादा रेगुलेट किया जाता है। ब्रूअरी की वेबसाइट पर इस बारे में लिखा है- %देश के कानून के तहत पाकिस्तानी मुस्लिम शराब नहीं पी सकते। गैर मुस्लिम और विदेशियों को शराब पीने के लिए परमिट की जरूरत होती है।

भंडारा परिवार के लिए यह बिजनेस काफी फायदे वाला साबित हुआ है। इस्फान्यार कहते हैं, हम ऑस्ट्रेलिया के बार्ले से बीयर बनाते हैं। हमारे वोडका और सिंगल मॉल्ट भी काफी बेहतर हैं। ये सब क्वालिटी की वजह से है। हम फ्रूट जूस और बोतलबंद पानी भी बनाते हैं, जिन्हें निर्यात भी किया जाता है।

राजनीति में सक्रिय भंडारा परिवार- बिजनेस से इतर, इस्फान्यार पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के सदस्य भी हैं। 1980 के दशक में जिया-उल-हक की सरकार में उनके पिता केंद्रीय मंत्री थे। वह परवेज मुशर्रफ के कार्यकाल में भी सांसद रहे थे।

बंटवारे के बाद पाकिस्तान में 25 हजार पारसी थे। लेकिन बाद में स्थिति काफी दयनीय हो गई।

जर्मनी में नए साल पर चाकू से हमला, कई लोग घायल, दो की हालत गंभीर; हमलावर गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। जर्मनी में नए साल की शाम पर पश्चिमी बर्लिन में अचानक चाकू से हमला किया गया। इस हमले में कई लोग घायल हो गए, इन घायलों में से दो लोग अस्पताल में भर्ती हैं। इनकी हालत गंभीर बताई जा रही है पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी है। यह घटना मंगलवार को सुबह स्थानीय समय के अनुसार करीब 11ः50 बजे राजधानी के शांत जिले चार्लोटनबर्ग में एक सुपरमार्केट के बाहर हुई।

वहीं वहां मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है इससे पहले कि कई राहगीर हस्तक्षेप करते और उसे काबू में करते। हमलावर ने अंधाधुंध चाकू मार दिया। कुछ ही समय बाद इमरजेंसी सर्विस एक्शन में आई और संदिग्ध को पुलिस हिरासत में ले लिया गया। जर्मन समाचार एजेंसी डीपीए ने बताया कि फिलहाल हमले के पीछे आतंकवादी मकसद का कोई संकेत नहीं दिखाई दे रहा है।

चाकू मारकर कहां भागा आरोपी- दोपहर 12 बजे से कुछ देर पहले आपातकालीन सेवाओं को सतर्क कर दिया गया। रिपोर्टों के मुताबिक हमला क्वेडलिनबर्गर स्ट्रैस और सोमरिंगस्ट्रैस के कोने पर एक सुपरमार्केट के अंदर शुरू हुआ। पुलिस ने कहा कि चाकू मारने वाला फिर बाहर पास के एक होटल के पास फुटपाथ पर चला गया।

पुलिस ने आगे ये भी बताया कि स्वीडन में रहने वाले सीरियाई नागरिक संदिग्ध ने सुपरमार्केट से चुराए चाकू से अपने पीड़ितों पर वार किया है। पुलिस ने अभी तक घटना या पीड़ितों के बारे में अधिक जानकारी जारी नहीं की है और जांच जारी है।

2024 में चाकू घोंपकर तीन को मार डाला- इससे पहले साल 2024 में, जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज ने एक सीरियाई शरण चाहने वाले एक शख्स पर पश्चिमी राज्य नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया में छुरा घोंपकर तीन लोगों की हत्या करने का आरोप लगाए थे।

पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों के अटैक में दो पुलिसकर्मियों की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा इलाके में अज्ञात हमलावरों द्वारा किए गए अटैक में दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। वहीं एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। यह हमला दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से सटे दरबान कलां में हुआ।

घटना को अंजाम देने के बाद अज्ञात हमलावर भागले में कामयाब हो गए। पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान से अलग हुए समूह दरबान इलाके में काफी सक्रिय हैं और अक्सर सुरक्षा बलों को निशाना बनाया है।

270 आंतकियों को मार गिराया- प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, शाम के समय अक्सर तालिबान जिले की सड़कों पर कब्जा कर लेता है और वाहनों की चेकिंग शुरू कर देता है। सोमवार को जारी एक आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने 2024 में खैबर पख्तूनख्वा में 270 आतंकियों को मार गिराया।

इसमें कई बड़े उग्रवादी भी थे, जिन पर इनाम घोषित था। प्रांतीय पुलिस विभाग द्वारा जारी आकंड़ों के मुताबिक, आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन के दौरान 802 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

यूक्रेन का कमाल, पहली बार ड्रोन से मार गिराया रूस का हेलीकॉप्टर; हमला देख घबरा गया पायलट

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन के ड्रोन ने पहली बार किसी रूसी चॉपर को निशाना बनाया है। हमला होते ही रूस का हेलीकॉप्टर पायलट पैनिक हो गया। इसकी जानकारी यूक्रेनी इंटेलीजेंस सर्विस द्वारा रेडियो कॉल को इंटरसेप्ट करने के बाद हुई।

मंगलवार को काला सागर के ऊपर उड़ रहे दो रूसी हेलीकॉप्टर को यूक्रेन के नवल ड्रोन ने निशाना बनाया। इस हमले में एक हेलीकॉप्टर पूरी तरह तबाह हो गया, जबकि दूसरे को नुकसान पहुंचा।

हमले का वीडियो आया सामने- यूक्रेन की मिलिट्री इंटेलीजेंस सर्विस ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर इसका वीडियो शेयर किया है, जिसमें रूस के एमआई-8 हेलीकॉप्टर को यूक्रेन के मागूरा वी5 नवल ड्रोन की मदद से मार गिराया गया है।

वीडियो में ड्रोन बोट के आस-पास पानी पर गोलियों की बौछार दिखाई दे रही है। ऐसा लगता है कि उस पर हमला हुआ था। वीडियो में हेलीकॉप्टर की थर्मल इमेज दिखाई दे रही है। साथ ही एक मिसाइल फायर होता दिखता है।

जंग के बीच रूस ने लागू किया पर्यटक टैक्स

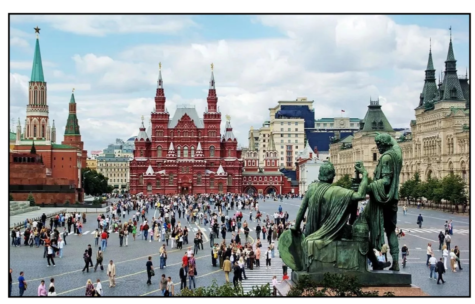

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए साल के पहले दिन पर आज पूरे रूस में पर्यटक टैक्स लागू हो गया है। ये टैक्स रिसॉर्ट शुल्क को रिप्लेस करेगा। 1 जनवरी, 2025 से, होटल और अन्य आवासों में रहने वाले यात्री अपने ठहरने की लागत का 1 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान देंगे।

टैक्स को जुलाई 2024 में रूसी कर संहिता में संशोधन के हिस्से के रूप में पेश किया गया था, जिसमें पर्यटक कर नामक एक नया चैप्टर जोड़ा गया था। इस अध्याय के तहत क्षेत्रीय अधिकारियों को स्थानीय शुल्क के रूप में इस टैक्स को लागू करने का अधिकार मिल गया। कई क्षेत्र, विशेष रूप से वे जो स्थापित या उभरते हुए पर्यटन उद्योगों वाले हैं, पहले ही इसे अपना चुके हैं।

कितना बढ़ेगा पर्यटक कर- मौजूदा ढांचे के तहत, पर्यटक कर 2025 में 1 प्रतिशत की दर से शुरू होगा और 2027 तक धीरे-धीरे बढ़कर 3 प्रतिशत हो जाएगा। एक न्यूनतम दैनिक शुल्क के रूप में 100 रूबल (0.9 अमेरिकी डॉलर) निर्धारित किया गया है, जिससे सुनिश्चित किया जा सके कि एक न्यूनतम योगदान प्राप्त हो।

हालांकि होटल और अन्य आवास प्रदाता तकनीकी रूप से टैक्सपेयर हैं, लागत को आवास की कीमत में शामिल किया जाएगा। इस प्रकार इसे पर्यटकों पर डाला जाएगा।

इन चीजों से हटा निर्यात शुल्क- इसके अलावा, स्थानीय मीडिया ने बताया कि रूस ने 1 जनवरी, 2025 से कोकिंग कोल, एन्थ्रेसाइट और थर्मल कोल पर निर्यात शुल्क भी आधिकारिक तौर पर हटा दिया है। 1 अक्टूबर 2023 को लागू, निर्यात शुल्क 2024 के अंत तक लागू थे। हालांकि, बाद में एन्थ्रेसाइट और थर्मल कोयले पर शुल्क 1 मई से 30 नवंबर, 2024 के बीच अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था।

शेख हसीना की पार्टी बांग्लादेश में लड़ सकती चुनाव, निर्वाचन आयोग बोला- हम स्वतंत्र हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नसीरुद्दीन ने कहा है कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग चुनाव में भाग ले सकती है, जब तक कि सरकार या न्यायपालिका प्रतिबंध नहीं लगाती। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ने सोमवार को चटगांव सर्किट हाउस में चुनाव अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान यह बात कही।

नसीरुद्दीन बोले- चुनाव आयोग स्वतंत्र- एएमएम नसीरुद्दीन ने यह भी आश्वासन दिया कि चुनाव आयोग पूरी स्वतंत्रता के साथ चलता है और उसे किसी बाहरी दबाव का सामना नहीं करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हम निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सीईसी ने पिछले चुनावों में फर्जी मतदाताओं के मुद्दे को भी स्वीकार किया और मतदाता पंजीकरण में गिरावट के लिए मतदान प्रक्रिया में अविश्वास को जिम्मेदार ठहराया।

नसीरुद्दीन ने कहा कि जल्द ही मतदाता सूची को अपडेट करने की शुरुआत की योजना की जानकारी दी है। यह कार्य छह महीनों के भीतर किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पांच अगस्त के बाद से चुनावी मामलों पर राष्ट्रीय सहमति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। इस वर्ष चुनाव पिछले पैटर्न पर नहीं होंगे।

कुछ दिन पहले, पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने कहा था कि मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के मतदान की न्यूनतम आयु 17 वर्ष निर्धारित करने के सुझाव से चुनाव आयोग पर दबाव पड़ेगा और चुनाव प्रक्रिया में देरी हो सकती है।

पाकिस्तान के कराची में नए साल का जश्न बना जानलेवा, हवाई फायरिंग में महिलाओं और बच्चों समेत 29 लोग घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में नए साल के जश्न की खुशियां मातम में बदल गईं। दरअसल पाकिस्तान के कराची में नए साल के जश्न के दौरान गोलीबारी की गई, जिसमें महिलाएं और बच्चे समेत कम से 29 लोग घायल हो गए। पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज की तरफ से ये जानकारी सामने आई है।

एआरवाई न्यूज ने बताया कि ये घटनाएं कराची के विभिन्न इलाकों में हुईं, जिनमें लियाकताबाद, तारिक रोड, शाह फैसल, ओरंगी टाउन, गुलशन-ए-इकबाल, अजीजाबाद और कोरंगी शामिल हैं। लियाकताबाद में गोलियों से तीन लोग घायल हो गए।

बच्चे को गोली लगने से चोट- तारिक रोड और शाह फैसल ने ऐसी घटनाओं की सूचना दी जहां जश्न में गोलीबारी के कारण दो महिलाएं घायल हो गईं। ओरंगी टाउन और गुलशन-ए-इकबाल में भी लोगों को चोटें आई हैं, जबकि अजीजाबाद में एक बच्चे को गोली लगने से चोट लगी।

शहर के अन्य हिस्सों से हवाई फायरिंग के अतिरिक्त मामले सामने आए। गुलजार-ए-हिजरी और कोरंगी नंबर 6 में तीन लोग घायल हो गए, जबकि ल्यारी और आराम बाग में तीन और घायल हो गए। आगरा ताज, मालिर कला बोर्ड, टीपू सुल्तान, फिरोजाबाद और अलफलाह दस्तगीर सहित अन्य स्थानों पर गोली लगने से घायल होने के मामले दर्ज किए गए, जिससे जश्न में हुई गोलीबारी से मरने वालों की कुल संख्या बढ़ गई।

कड़ाके की ठंड के साथ नए साल का आगाज, कश्मीर-हिमाचल में सर्दी का सितम जारी; यूपी-बिहार में चलेगी शीतलहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए साल पर ठंड जमकर लोगों को कंपकंपाएगी। मौसम विभाग के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर, राजस्थान, झारखंड समेत यूपी, बिहार और हरियाणा में शीतलहर के साथ कोहरा पड़ेगा। वहीं, पंजाब और हिमाचल में तो बारिश का अलर्ट भी जारी किया है। नए साल के एक दिन पहले धूप न के बराबर निकली पूरे दिन बादल ही छाए रहे। अगले दो दिन दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कोल्ड वेव चलेगी। वहीं, कोहरा भी पड़ेगा।

बर्फबारी से होगा नए साल का स्वागत- नए साल की शुरुआत कड़ाके की सर्दी से हो रही है। जनवरी के पहले हफ्ते में पहाड़ों पर पश्चिमी विक्षोभ आने वाले हैं, जिससे न्यूनतम तापमान में तेजी से गिरावट होगी। लगभग देश के तीन चौथाई भागों में सर्द हवाओं का विस्तार हो जाएगा। हिमाचल से जम्मू कश्मीर, जम्मू-कश्मीर से पंजाब, हरियाणा, दिल्ली एवं बिहार-झारखंड तक गलन बढ़ेगी। जम्मू-कश्मीर में एक और दो जनवरी के बीच कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी होने के साथ मैदानी इलाकों में बारिश होने के आसार हैं। इससे हाईवे से लेकर हवाई सेवाओं पर असर पड़ेगा।

उत्तर पूर्वी राज्यों का 100 प्रतिशत भूजल सिंचाई के लिए उत्तम श्रेणी का, कुछ क्षेत्रों में परेशानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने मंगलवार को 2024 के लिए सालाना भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर पूर्वी राज्यों यानी असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम के शत-प्रतिशत भूजल नमूने सिंचाई के लिए उत्कृष्ट श्रेणी के मिले। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के कुछ क्षेत्रों को नाइट्रेट, फ्लोराइड और आर्सेनिक प्रदूषण का सामना करना पड़ रहा है।

देश में कुल मिलाकर पानी कैल्शियम-बाइकार्बोनेट प्रकार का है। भूजल गुणवत्ता का मूल्यांकन केंद्रीय भूजल बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) और राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था। इसका इस्तेमाल विभिन्न हितधारकों द्वारा आवश्यक कदम उठाने और आगे की योजना बनाने के लिए किया जा सकता है।

यह रिपोर्ट भूजल गुणवत्ता निगरानी के लिए मानक संचालन प्रक्रिया यानी एसओपी को अपनाने वाली पहली रिपोर्ट है जोकि डाटा संग्रह, विश्लेषण और व्याख्या में एकरूपता सुनिश्चित करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 15,200 से अधिक निगरानी स्थानों और 4,982 प्रवृत्ति स्टेशनों पर केंद्रित आकलन से प्राप्त मजबूत डाटासेट के साथ यह रिपोर्ट तैयार की गई है।

नक्सली नए क्षेत्रों में घुसपैठ की कर रहे कोशिश, गृह मंत्रालय ने मणिपुर हिंसा को लेकर भी जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ताजा वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में पूर्वोत्तर में हुई कुल हिंसा की 77 प्रतिशत सिर्फ मणिपुर में हुई। मणिपुर तीन मई, 2023 से बहुसंख्यक मैतेयी और आदिवासी कुकी समुदाय के बीच जातीय हिंसा से जूझ रहा है।

80 उग्रवादियों ने 31 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया

रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में पूर्वोत्तर में हुई कुल 243 हिंसक घटनाओं में से 187 मणिपुर में हुई थीं। मणिपुर में उग्रवाद विरोधी अभियानों में 33 उग्रवादी मारे गए और 49 हथियार बरामद हुए। 80 उग्रवादियों ने 31 हथियारों के साथ आत्मसमर्पण किया। रिपोर्ट में नक्सल प्रभावित इलाकों का भी उल्लेख किया गया है। इसमें बताया गया है कि सुरक्षा बलों की कड़ी कार्रवाई की वजह से नक्सली अंतर्राज्यीय सीमाओं के जरिये नए क्षेत्रों में घुसपैठ करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन उन्हें कोई उल्लेखनीय सफलता नहीं मिल पाई है।

अर्धसैनिक बलों व राज्य पुलिस द्वारा नक्सल विरोधी अभियान और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में एक साथ विकास की पहल जैसे सरकार के बहुआयामी दृष्टिकोण से हिंसक घटनाओं में 48 प्रतिशत की कमी आई है, जो 2013 में 1,136 से घटकर 2023 में 594 रह गई। नागरिकों और सुरक्षा बलों की मौतों में भी 65 प्रतिशत की कमी देखी गई, जो 2013 में 397 की तुलना में 2023 में 138 हुई।

मुफ्त पानी देने पर सरकारों को करनी होगी भरपाई, जल प्रबंधन को लेकर केंद्र सरकार चिंतित

नई दिल्ली (एजेंसी)। पानी के प्रबंधन को लेकर अपनाई जा रही नई प्रणाली में केंद्र सरकार ने इसकी चिंता की है कि यह सबसे अधिक आवश्यक संसाधन कु-प्रबंधन की भेंट चढ़ने न पाए-खासकर राजनीतिक स्वार्थ को पूरा करने के लिए मुफ्त या घटे दर पर पानी की आपूर्ति की कोशिशों पर विराम लगे।

एकीकृत जल संसाधन प्राधिकरण हर साल करेगा शुल्क की समीक्षा- अगर कोई सरकार घटे शुल्क अथवा मुफ्त पानी देने का निर्णय करती है तो उसे इसकी भरपाई जलापूर्ति से संबंधित विभागों को करनी ही होगी ताकि लागत और रखरखाव का खर्च निकाला जा सके। दिल्ली सरीखे राज्यों में सरकार की ओर से दिए जा रहे मुफ्त पानी ने जल बोर्ड को इस हद तक दिवालिया बना दिया है कि उसके लिए रखरखाव का खर्च तक निकालना मुश्किल हो गया है।

वित्त विभाग की एक रिपोर्ट के मुताबिक बोर्ड को हर साल 1200 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। यही स्थिति कर्नाटक में भी है, जहां उपमुख्यमंत्री और जल संसाधन मंत्री डीके शिवकुमार ने स्वीकार किया कि बेंगुलुरु में स्थिति इतनी खराब है कि पानी का शुल्क 20 से 30 प्रतिशत बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं, क्योंकि जल बोर्ड के स्टाफ का वेतन भी नहीं निकल पा रहा है।

हर सेक्टर और प्रयोगर्ताओं के लिए पानी का टैरिफ तय करना होगा- उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र जैसे राज्यों का हाल भी इसी तरह का है। केंद्र सरकार की पहल पर राज्यों में एकीकृत जल संसाधन प्राधिकरण बन जाने के बाद यह स्थिति समाप्त हो सकती है। इससे संबंधित विधेयक में कहा गया है कि राज्य जल एकीकृत जल संसाधन प्राधिकरण (आइडब्ल्यूआरएम) को पूरे प्रदेश के लिए हर सेक्टर और प्रयोगर्ताओं के लिए पानी का टैरिफ तय करना होगा।

इनमें सिंचाई, घरेलू इस्तेमाल, औद्योगिक क्षेत्र शामिल है। इन टैरिफ की हर साल समीक्षा होगी और उन्हें संशोधित किया जाएगा।

नववर्ष के मौके पर धार्मिक स्थलों पर उमड़े श्रद्धालु, हिमाचल-उत्तराखंड में पर्यटकों का उत्साह चरम पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। नववर्ष के मौके पर मां वैष्णो देवी का आर्शीवाद लेने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु कटड़ा पहुंचे हैं। चारों तरफ मां के जयकारे गूंज रहे हैं। दर्शन ड्योढ़ी पर एक किलोमीटर लंबी तो भवन पर डेढ़ किलोमीटर लंबी श्रद्धालुओं की कतार लगी रही। मंगलवार रात दस बजे तक 41,445 श्रद्धालु मां वैष्णो देवी भवन की ओर रवाना हो चुके थे।

अयोध्या, वृंदावन में भक्तों की भारी भीड़ जुटी- वर्ष के अंतिम दिन अयोध्या में रामलला और वृंदावन में बांके बिहारी के दर्शन को श्रद्धालुओं का सैलाब सा उमड़ पड़ा। वर्ष के पहले दिन भी भक्तों की भारी भीड़ होने के अनुमान को देखते हुए दोनों जगहों पर विशेष प्रबंध किए गए हैं। न केवल रामजन्मभूमि पथ पर लेन बढ़ा दी गई हैं, बल्कि मंदिर में भी सिंह द्वार से आगे अब दो कतार में श्रद्धालु आगे बढ़ेंगे। उधर, बांकेबिहारी मंदिर के बाहर मंगलवार को एक किमी लंबी कतार लगी रही।

बांके बिहारी में भीड़ के दबाव में एक महिला श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ गई- पूरे दिन धक्का-मुक्की चलती रही। भीड़ के दबाव में एक महिला श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ गई। साल के पहले दिए बुधवार को दर्शन के लिए दो लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। हिमाचल में पर्यटकों ने किया नववर्ष का स्वागत हिमाचल में करीब 45 हजार वाहनों से पहुंचे ढाई लाख पर्यटकों ने नववर्ष का जश्न मनाया।

राजधानी शिमला सहित मनाली, कसौली, धर्मशाला, मैक्लोडगंज, चायल आदि प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में पर्यटकों ने नववर्ष का स्वागत किया। कुफरी, नारकंडा, नालदेहरा व मशोबरा सहित जिला के सभी होटल भरे रहे। धर्मशाला, चंबा, खजियार सहित अन्य स्थानों पर भी पर्यटकों की भीड़ रही। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन के चलते राजधानी शिमला में विंटर कार्निवाल को स्थगित कर दिया गया था। इसके चलते रिज पर कोई कार्यक्रम नहीं हुआ।

एनआइए ने 2024 में 210 आरोपितों को किया गिरफ्तार, 19 करोड़ से ज्यादा की 137 संपत्तियां की गईं कुर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। एनआइए ने मंगलवार को कहा कि उसने 2024 में 210 आरोपितों को गिरफ्तार किया और रिकॉर्ड 100 प्रतिशत सजा दर हासिल की। आतंकवाद रोधी जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि एनआइए ने इस दौरान कम से कम 27 फरार अपराधियों को पकड़ा है।

कई हाई प्रोफाइल मामलों की सफल जांच और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) से संबंधित मामलों को निपटने पर जांच केंद्रित किया। एक बयान में कहा गया है कि 2024 में एनआइए द्वारा दर्ज 80 मामलों में 210 आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। इन मामलों में वामपंथी उग्रवाद के 28 और पूर्वोत्तर उग्रवाद के 18 मामलों के साथ सूची में सबसे ऊपर हैं।

एनआइए के प्रभावशाली प्रदर्शन में 25 मामलों में 68 आरोपितों को दोषी ठहराया गया है और 408 आरोपितों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया। विभिन्न आतंकवादी, गैंगस्टर और अन्य आपराधिक नेटवर्क को खत्म करने के एजेंसी के निरंतर प्रयासों के तहत वर्ष के दौरान 19.57 करोड़ रुपये की कुल 137 संपत्तियां कुर्क की गईं।

वामपंथी उग्रवाद पूरे 2024 में एनआइए की जांच के दायरे में रहा, जिससे 69 गिरफ्तारियां हुई है। इसमें 64 आरोपितों के खिलाफ 12 आरोपपत्र दायर किए गए। 15 गिरफ्तारियों के साथ पूर्वोत्तर उग्रवाद भी एनआइए के रडार पर था। एजेंसी ने वर्ष के दौरान विदेश स्थित खालिस्तानी आतंकवादी मामलों के सिलसिले में 14 आरोपितों को गिरफ्तार किया, जिसमें इन मामलों में 101 तलाशी ली गई।

2024 में सभी प्रकार के मामलों में की गई कुल तलाशी 662 थी। एनआईए ने कहा कि वर्ष के दौरान गैंगस्टर से संबंधित मामलों में तेरह गिरफ्तारियां की गईं। बयान में कहा गया है आतंकवाद के मामलों को सुलझाने में एजेंसी के त्वरित प्रयास इस तथ्य से स्पष्ट थे इसने घातक हमले के कुछ महीनों के भीतर पंजाब में विहिप नेता विकास प्रभाकर उर्फ विकास बग्गा की हत्या में पाकिस्तान स्थित बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) प्रमुख वधावा सिंह उर्फ बब्बर और पांच अन्य आतंकवादियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
हिन्दकुश मीडिया
jagrayam.com
online news magazine
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए। पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 पौष शुक्ल तृतीया

संपादकीय

ट्रंप ने मेक्सिको और कनाडा से होने वाले आयात पर ऊंचा कर लगाने का बयान हाल ही में दिया

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने मेक्सिको और कनाडा से होने वाले आयात पर ऊंचा कर लगाने का बयान हाल ही में दिया है, जिसके बाद विश्व व्यापार के दो पहलुओं पर आशंका के बादल मंडराने लगे हैं ङ्क फ्रेंडशोरिंग (सहयोगी देशों में उत्पादन करना या उनसे कच्चा माल लेना) और अमेरिका-मेक्सिको-कनाडा समझौता (यूएसएमसीए)। पहले का अमेरिका के उन करीबी देशों पर सीधा असर पड़ेगा, जिन्होंने मान लिया होगा कि ट्रंप के शुल्क वृद्धि के फैसले से उनके लिए राह आसान हो जाएगी। बाद वाले पहलू को देखें तो ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में संस्थाओं और कानूनों की समीक्षा होगी, चाहे अतीत में उन्हें अमेरिकी हितपूर्ति के लिए ही क्यों न बनाया गया हो।

कनाडा और मेक्सिको पर ऊंचे शुल्क लगाने से यूएसएमसीए का उल्लंघन होगा, जो उत्तर अमेरिका के इन तीन देशों को तरजीह देने वाला व्यापार समझौता है। 2020 में इसे उत्तर अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौते की जगह लागू किया गया था। शुल्क वृद्धि हुई तो 2022 के इनफ्लेशन रिडक्शन एक्ट को भी चुनौती मिलेगी। इस समझौते के तहत मेक्सिको और कनाडा को उत्पाद के मूल स्रोत के मामले में तरजीह दी जाती है ताकि खास तौर पर इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) में क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को बढ़ावा दिया जा सके।

स्पष्ट है कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में वैश्विक व्यापार में काफी अनिश्चितता रहेगी। भारत की व्यापार नीति देखें तो जोखिम से बचने के लिए स्थिर, वैकल्पिक संस्थागत व्यवस्थाओं और/अथवा समझौतों में भागीदारी के जरिये व्यापार में विविधता बढ़ाने की जरूरत है। इस समय भारत के सामने तीन बड़े क्षेत्रीय व्यापार समझौतों के विकल्प हैं जो हैं- इंडो-पैसिफिक इकनॉमिक फेमवर्क फॉर प्रॉस्पैरिटी (आईपीईएफ), रीजनल कॉम्प्रिहेंसिव इकनॉमिक पार्टनरशिप (आरसेप) और कॉम्प्रिहेंसिव ऐंड प्रोग्रेसिव ट्रांस-पैसिफिक पार्टनरशिप (सीपीटीपीपी)। जोखिम कम करने के लिहाज से सबसे अच्छा तो इन तीनों में भागीदारी करना होगा।

इससे व्यापार तथा वैश्विक मूल्य श्रृंखला में में शामिल होने की ज्यादा से ज्यादा संभावनाएं भी खुल जाएंगी। आईपीईएफ की बात करें तो भारत आईपीईएफ के तीनों स्तंभों का सदस्य है। ये स्तंभ हैं- आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ ऊर्जा, और कर तथा भ्रष्टाचार विरोध। लेकिन वह चौथे स्तंभ यानी व्यापार से अलग रहा है। लेकिन जीवीसी में व्यापार-निवेश गठजोड़ को देखते हुए व्यापार में भारत की भागीदारी के भी पर्याप्त आधार हैं। मगर अभी शायद उसका सही समय नहीं है।

आईपीईएफ समझौतों के परिणाम अलग से नजर नहीं आते और ये समझौते बाध्यकारी होने के बजाय सिफारिशी भर हैं, इसलिए मुक्त व्यापार समझौतों या बड़े क्षेत्रीय व्यापार समझौते की तुलना में यह आर्थिक एकीकरण का कमजोर उपाय साबित होता है। आईपीईएफ कार्यकारी समझौता है और चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप इशारा कर चुके हैं कि जीतने पर वह इसे खत्म कर देंगे। ऐसे में आईपीईएफ के अस्तित्व पर ही संशय मंडरा रहा है।

जहां तक आरसेप और सीपीटीपीपी की बात है तो 2019 में बाहर होने के बाद भारत जोर-शोर से कहता रहा है कि वह आरसेप में वापस नहीं जाएगा। यह तब है, जब आरसेप ने भारत के लिए दरवाजे खोल रखे हैं और इसके स्रोत के नियम, मूल्य श्रृंखला के गहरे एकीकरण आदि से कई फायदे हो सकते हैं। सीपीटीपीपी की बात करें तो नीतिगत रूप से भारत ने इस पर ध्यान ही नहीं दिया है।

सीपीटीपीपी की स्थापना 2018 में हिंद-प्रशांत व्यापार समूह के तौर पर की गई थी। इसमें जापान, सिंगापुर, वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया सहित 11 देश शामिल हुए थे।

बली राम भगत

बली राम भगत प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, संसदीय व्यवस्था के गहन अनुभवी तथा संसदीय प्रक्रियाओं तथा कार्यसंचालन नियमों के अच्छे ज्ञाता जब 15 जनवरी, 1976 में पांचवीं लोकसभा के लोकसभा अध्यक्ष निर्वाचित किए गए, तब सभा का निर्धारित कार्यकाल समाप्त होने को था। भगत में अध्यक्ष पद के लिए अपेक्षित सभी योग्यताएं विद्यमान थीं। वे स्पष्टवादी, ईमानदार, दृढ़ और निष्पक्ष व्यक्ति थे। सभा तथा उसकी परम्पराओं में उनकी गहरी श्रद्धा थी। स्वतंत्रता के पश्चात् लोक सभा अध्यक्ष के रूप में भगत का चौदह मास से भी कम अवधि का कार्यकाल सबसे छोटा कार्यकाल था किन्तु इस संक्षिप्त अवधि में उन्होंने सदन की कार्रवाई पर अपनी अमिट छाप छोड़ी। अध्यक्ष पद पर रहने के बाद राज्यपाल के रूप में उन्होंने जिस प्रकार कार्य किया, उससे यह सिद्ध हो गया कि वे सहज रूप से एक योग्य और प्रतिभा सम्पन्न व्यक्ति हैं। विभिन्न राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उन्होंने अपनी योग्यता का परिचय दिया।

जीवन परिचय

पेशे से एक कृषक, राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ता, बली राम भगत का जन्म 7 अक्तूबर, 1922 को पटना, बिहार में हुआ था। उन्होंने स्नातक की शिक्षा पटना कॉलेज से प्राप्त की और बाद में पटना विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र निष्णात उपाधि प्राप्त की। भगत की राजनीति के प्रति प्रबल रुचि और उनकी प्रगाढ़ देशभक्ति उन्हें विद्यार्थी जीवन में ही स्वतंत्रता संग्राम की ओर मोड़ दिया। 1939 में 17 वर्ष की अल्पायु में ही, वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए और उन्होंने पार्टी द्वारा देश को विदेशी शासन से मुक्त कराने के लिए शुरू किए गए कई संघर्षों में भाग लिया। सन 1942 में, भारत छोड़ो आन्दोलन में भाग लेने के लिए उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई छोड़ दी और दो वर्ष तक भूमिगत रहे। वह सन् 1944 में अखिल भारतीय विद्यार्थी कांग्रेस के संस्थापक सदस्य और 1946-47 के दौरान बिहार प्रदेश विद्यार्थी कांग्रेस के महासचिव भी रहे।

राजनीतिक जीवन

भगत का राष्ट्रीय राजनीति के साथ संबंध 1950 में शुरू हुआ जब वह अंतरिम संसद के लिए निर्वाचित हुए। राजनीति में उनकी गहरी रुचि के कारण वह ऐसी स्थिति में आ गए जहां वह निस्स्वार्थ भाव और अदम्य उत्साह से अपनी मातृभूमि की सेवा कर सकते थे। इन दो वर्षों में उन्होंने विभिन्न चर्चाओं में सक्रिय रूप से भाग लिया और अपने को योग्य सांसद के रूप में प्रतिष्ठित किया। अंतरिम संसद से लेकर प्रथम लोकसभा और तत्पश्चात् लगातार द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ और पांचवीं लोक सभा तक भगत का संसदीय जीवन बहुत लम्बा और निर्बाध रहा। इस अवधि के दौरान, वह अनेक मंत्रालयों में रहे। भगत 1952 से 1956 तक वित्त मंत्री के संसदीय सचिव रहे। 1956 में वह वित्त मंत्रालय में उपमंत्री बने और लगातार सात वर्ष तक इस पद पर बने रहे, इस प्रकार उन्हें लगातार तीन लोक सभाओं के दौरान इसी पद पर बने रहने का गौरव प्राप्त हुआ।

राज्य मंत्री

1963 में भगत योजना मंत्रालय में राज्य मंत्री बने तथा जनवरी, 1966 तक इसी पद पर रहे। 1963-67 के दौरान वह वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री रहे। 1967 में विदेश राज्य मंत्री बनने से पूर्व वह उसी वर्ष कुछ समय तक रक्षा मंत्रालय में मंत्री रहे। 1969 में उन्हें विदेश व्यापार और आपूर्ति मंत्रालय में कैबिनेट मंत्री का दर्जा दिया गया। बाद में 8 महीनों तक वह इस्पात और भारी इंजीनियरी मंत्रालय के मंत्री भी रहे। एक सुयोग्य सांसद तथा कुशल वक्ता के रूप में भगत ने सभा की कार्रवाई में भारी योगदान किया। मंत्री के रूप में वह सदैव सभा में प्रश्नकाल, वाद-विवाद और चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार होकर आते थे। उनके संसदीय कौशल और वाक्चातुर्य तथा देश की समस्याओं के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण की प्रत्येक व्यक्ति ने प्रशंसा की। समय-समय पर विभिन्न मंत्रालयों के कार्यों की उनकी गहरी समझ की विपक्ष के सदस्य भी प्रशंसा करते थे।

लोकसभा अध्यक्ष

बली राम भगत को गुरदयाल सिंह ढिल्लों द्वारा अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दिए जाने के बाद रिक्त हुए पद पर 15 जनवरी, 1976 को पांचवीं लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया गया। व्यापक और विविध प्रशासनिक अनुभव वाले वयोवृद्ध सांसद भगत को उस समय अध्यक्ष चुना गया जब देश में आपातकाल लगा हुआ था। अध्यक्ष पद पर चुने जाने के समय के बारे में पूरी तरह से सजग भगत ने सदस्यों को याद दिलाया कि संसद जनता की एक सर्वोपरि संस्था है और इसे सदैव जनसाधारण की इच्छाओं तथा अभिलाषाओं का विशेष ध्यान रखना चाहिए। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सभा में होने वाले वाद-विवाद सदैव इस उदात्त लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में होने चाहिए। उन्होंने सदस्यों को आश्वासन दिया कि वह भी सभा के एक सेवक हैं और सभा के सभी सदस्य उनके लिए समान हैं।

अनुशासन और शालीनता को महत्व देने वाले भगत संसदीय परंपराओं और मर्यादाओं के पालन के प्रति आग्रही थे। प्रक्रियात्मक औचित्य के प्रति उनकी चिन्ता का सर्वोत्तम उदाहरण ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के संबंध में दिया गया उनका वह विनिर्णय है जिसमें उन्होंने व्यवस्था दी कि ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के लिए समय 30-35 मिनट तक सीमित होना चाहिए और ध्यानाकर्षण प्रस्ताव प्रस्तुत करने वाले प्रत्येक सदस्य को 3-4 मिनट तथा अन्य सदस्यों को 2-3 मिनट का ही समय लेना चाहिए। मंत्री का उत्तर पूर्ण किन्तु संक्षिप्त होना चाहिए।

संसदीय आचरण के मूल आदर्श

अध्यक्ष के रूप में भगत ने संसदीय आचरण के मूल आदर्शों को बनाए रखा और कठिन स्थितियों में भी सदैव शांत और सौम्य बने रहे। सदस्यों के विशेषाधिकार के संरक्षण के प्रति वह विशेष सजग थे। उनके अध्यक्ष के कार्यकाल के दौरान बिहार में किसी सदस्य को जेल से मजिस्ट्रेट के न्यायालय तक ले जाते समय हथकड़ी लगाए जाने के बारे में विशेषाधिकार का एक प्रश्न सभा के सामने आया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों की कार्रवाई को नितांत अनुचित ठहराया और उसकी निंदा की। अध्यक्ष भगत ने कहा कि किसी सदस्य को हथकड़ी लगाना गृह मंत्रालय और बिहार सरकार के अनुदेशों की पूर्ण अवमानना तथा अवज्ञा है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में संगत अनुदेशों का कड़ाई तथा ईमानदारी से अनुपालन किया जाएगा।

सिद्धांतवादी होने के कारण भगत सदा नियमों के अनुसार कार्य करने में विश्वास रखते थे। एक दिन जब प्रश्न काल आरंभ हुआ, वह यह देख कर हैरान हो गए कि प्रश्न सूची में नामदर्ज सदस्यों में से अधिकतर सभा में उपस्थित नहीं थे जिसके कारण थोड़ी ही देर में ही प्रश्न काल समाप्त हो गया। इस स्थिति पर गंभीर चिंता जाहिर करते हुए अध्यक्ष भगत ने टिप्पणी की कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है और इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए।

संसदीय जीवन

अपने संसदीय जीवन के दौरान भगत ने अनेक अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारतीय संसद का प्रतिनिधित्व किया। शुरू में वर्ष 1951 में उन्होंने इस्ताम्बुल में और बाद में 1981 में हवाना में हुए अन्तर-संसदीय संघ सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने सितम्बर, 1976 में लन्दन में हुए राष्ट्रमंडल अध्यक्षों और पीठासीन अधिकारियों के चौथे सम्मेलन में भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने वर्ष 1953, 1954, 1955, 1956, 1957, 1958 और 1964 में हुए कोलम्बो योजना सम्मेलन की बैठकों में भाग लिया।

भगत ने आर्थिक सहयोग, व्यापार और विकास संबंधी कई मंत्रालयों में कार्य किया था। वह प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू और जापान के प्रधानमंत्री श्री नाबुसुके कीशी के बीच हुई बैठकों के परिप्रेक्ष्य में स्थापित ÷भारत और जापान में आर्थिक विकास अध्ययन संबंधी संयुक्त समिति÷ के सह-अध्यक्ष थे।

वह 1963-75 के बीच लगभग बारह वर्षों तक इस पद पर बने रहे। इस निकाय ने, जिसमें दोनों देशों के अग्रणी अर्थशास्त्री, व्यापारी तथा प्रशासक शामिल थे, भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण क्षेत्रों के विकास में प्रमुख भूमिका अदा की।

अब हवाई सफर में भी मिलेगा इंटरनेट कनेक्शन, एयर इंडिया ने शुरू की सर्विस

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब डोमेस्टिक फ्लाइट में सफर करने वाले यात्री भी आसमान में इंटरनेट की सुविधा का इस्तेमाल कर पाएंगे। टाटा ग्रुप की एयर इंडिया ने नए साल यानी 2025 के पहले ही दिन अपने हवाई यात्रियों को बड़ा तोहफा दिया है और उन्हें फ्लाइट में फ्री वाई-फाई उपलब्ध कराने का एलान किया है। एयरलाइन फिलहाल एयरबस ׂ350, बोइंग 789-0 और चुनिंदा अन्य एयरबस विमानों में वाई-फाई सुविधा मुहैया कराएगी। यात्रियों को 10,000 फीट की ऊंचाई पर इंटरनेट कनेक्शन मिलेगा।

कितनी डिवाइस में इंटरनेट इस्तेमाल कर सकेंगे- एयर इंडिया अपने यात्रियों को एकसाथ कई डिवाइसेज में वाई-फाई का इस्तेमाल करने का इजाजत देगी। इसका मतलब है कि आप हवाई सफर के दौरान लैपटॉप और स्मार्टफोन में इंटरनेट कनेक्ट कर सकेंगे। एयर इंडिया की यह सुविधा लैपटॉप, टैबलेट और आईओएस या एंड्रॉइड सिस्टम वाले स्मार्टफोन जैसी सभी डिवाइसेज के लिए उपलब्ध रहेगी। इसके बदले यात्रियों को अलग से कोई चार्ज भी नहीं देना पड़ेगा।

इंटरनेट रूट पर पहले से मिल रही यह सुविधा- एयर इंडिया फ्री वाई-फाई की सर्विस अपने न्यूयॉर्क, लंदन, पेरिस और सिंगापुर जैसे इंटरनेशनल रूट पर पहले से ही दे रही है। हालांकि, डोमेस्टिक फ्लाइट में सफर करने वाले एयर इंडिया के यात्रियों को यह सुविधा पहली बार मिलेगी। इसे एयर इंडिया ने डोमेस्टिक रूट पर फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया है। टाटा ग्रुप की यह एयरलाइन धीरे-धीरे अपने बेड़े के अन्य विमानों में भी यह सुविधा देने का प्लान बना रही है।

फ्लाइट में इंटरनेट क्यों दी जा रही है?

पहले फ्लाइट में सुरक्षा कारणों से इंटरनेट सुविधा नहीं देती थीं। लेकिन, अब टेक्नोलॉजी काफी एडवांस हो गई, जिससे यात्रियों को फ्लाइट में इंटरनेट कनेक्शन दिया जा सकता है। इसकी यात्रियों को भी काफी ज्यादा जरूरत रहती है। कई यात्रियों को जरूरी मेल चेक करने रहते हैं या फिर कोई खास मैसेज भेजना रहता है। इससे फ्लाइट के दौरान परिवार और दोस्तों से जुड़ा रहना भी आसान हो जाएगा।

32 रुपये से 220 रुपये के पार नवरत्न कंपनी के शेयर, नए साल के पहले ही दिन शेयरों में तूफानी तेजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नवरत्न कंपनी इरेडा के शेयरों में नए साल के पहले ही दिन तूफानी तेजी आई है। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के शेयर बुधवार को BSE में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 227.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। इरेडा के शेयरों में यह तेज उछाल दिसंबर 2024 तिमाही के बिजनेस अपडेट के बाद आया है। इरेडा के शेयर पिछले 13 महीने में ही 32 रुपये से बढ़कर 220 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। इरेडा के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 310 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 100.40 रुपये है।

इरेडा के दिसंबर 2024 तिमाही के बिजनेस अपडेट के मुताबिक, स्वीकृत किए गए लोन सालाना आधार पर 129 पर्सेंट बढ़कर 31,087 करोड़ रुपये रहे हैं। पिछले साल की समान अवधि में कंपनी ने 13,558 करोड़ रुपये के लोन स्वीकृत किए थे। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी का लोन डिस्बर्समेंट सालाना आधार पर 41 पर्सेंट बढ़कर 17,236 करोड़ रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 12,220 करोड़ रुपये था। दिसंबर 2024 तक आउटस्टैंडिंग लोन बुक 69000 करोड़ रुपये थी।

इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (इरेडा या IREDA) के शेयर 13 महीने में ही 32 रुपये से बढ़कर 220 रुपये के पार पहुंच गए हैं।

नए साल पर मिली बड़ी राहत, सस्ता हुआ एलपीजी सिलेंडर; 5 महीने बाद घटा है दाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकारी तेल कंपनियों ने नए साल पर एलपीजी सिलेंडर के दाम घटाकर ग्राहकों को बड़ा तोहफा दिया है। इंडियन ऑयल की आधिकारिक साइट के मुताबिक, आज यानी एक जनवरी 2025 से 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कमी की गई है। इसका दाम प्रति सिलेंडर 14.50 रुपये घटाया है। हालांकि, कीमतों में यह कटौती सिर्फ कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के लिए है। आपकी रसोई में इस्तेमाल होने वाले घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कमर्शियल सिलेंडर का अब कितना है दाम- 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर का इस्तेमाल होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई की दुकानों पर होता है। अब इस 19 किलो के कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत घट कर 1814 रुपये हो गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने दिसंबर 2024 में कमर्शियल सिलेंडर का दाम 16.50 रुपये और नवंबर में 62 रुपये बढ़ाया था। एक अक्टूबर 2024 को यह सिलेंडर 1740 रुपये का मिल रहा था। कोलकाता में अब यह सिलेंडर 1911.00 रुपये, मुंबई में 1756.00 रुपये और चेन्नई में 1966.00 रुपये का मिलेगा।

5 महीने बाद मिली है यह बड़ी राहत- सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं। उन्होंने जनवरी 2025 में कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों में कटौती करने से पहले इसका दाम लगाया पांच महीने तक बढ़ाया था। एक दिसंबर 2024 को इसमें 16.50 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। एक नवंबर को इसका दाम 62 रुपये बढ़ा था। वहीं, एक अक्टूबर को 48.50 रुपये, एक सितंबर को 39 रुपये और एक अगस्त 2024 को 6.50 रुपये प्रति सिलेंडर के हिसाब से दाम बढ़ा था।

5 बोनस शेयर बांटने की तैयारी, ऐलान के बाद रॉकेट बन गए कंपनी के शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। गुजरात टूलरूम लिमिटेड के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई है। गुजरात टूलरूम के शेयर ब्रस्श में 5 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 17.22 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर का तोहफा देने की तैयारी में है। गुजरात टूलरूम लिमिटेड अपने निवेशकों को 5ः1 के रेशियो में बोनस शेयर बांट सकती है। यानी, कंपनी हर 1 शेयर पर 5 बोनस शेयर दे सकती है। ब्रस्श पर उपलब्ध डेटा के मुताबिक, यह पहला मौका होगा जब कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर जारी करेगी।

6 जनवरी को है कंपनी की बोर्ड मीटिंग- गुजरात टूलरूम लिमिटेड ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया है कि उसके बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की सोमवार 6 जनवरी 2025 को मीटिंग होनी है। इस बैठक में 5ः1 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव पर विचार और उसे अप्रूवल दिया जाएगा। कंपनी ने अभी बोनस शेयर की रिकॉर्ड डेट फिक्स नहीं की है। गुजरात टूलरूम का मार्केट कैप करीब 400 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

शेयरों का बंटवारा भी कर चुकी है कंपनी- गुजरात टूलरूम लिमिटेड अपने शेयरों का भी बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) कर चुकी है। कंपनी ने मार्च 2023 में 10 रुपये फेसवैल्यू वाले अपने शेयर को 1 रुपये फेसवैल्यू वाले 10 टुकड़ों में बांटा है।

2025 में कैसे रहेगी भारत की इकोनॉमी, किन मोर्चों पर बढ़ने वाली है चुनौती?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना महामारी के बाद से कुछ साल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए काफी अच्छे रहे। इस दौरान भारत ने लगातार 6 से 8 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ हासिल की। लेकिन, वित्त वर्ष 2024-25 की सितंबर तिमाही में भारत की विकास दर घटकर 5.4 फीसदी पर गई। यह सात तिमाहियों का सबसे निचला स्तर है। इस दौरान मुद्रास्फीति काफी तेजी से बढ़ी, जिसका सीधा खपत पर पड़ा। आइए जानते हैं कि 2025 भारत की इकोनॉमी के लिहाज से कैसा रह सकता है। क्या महंगाई बढ़ेगी, आरबीआई ब्याज दरों में कटौती करेगा या नहीं।

2024-25 की तीसरी तिमाही में सुधरेगी इकोनॉमी- केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सितंबर में जीडीपी ग्रोथ के घटकर 5.4 फीसदी पर आने को अस्थायी झटका बताया था। उनका कहना था कि भारत की विकास दर आने वाली तिमाहियों में मजबूत बनी रहेगी। भारतीय रिजर्व बैंक के अर्थशास्त्रियों का भी कहना है कि 2024-25 की तीसरी तिमाही के लिए संकेत मिल रहे हैं कि अर्थव्यवस्था में सुधार हो रहा है। इसकी वजह फेस्टिव सीजन में अच्छी बिक्री है। साथ ही, ग्रामीण मांग में लगातार सुधार हो रहा है।

फरवरी एमपीसी में ब्याज दरों में कटौती होगी - आर्थिक विकास की रफ्तार को तेज करने के लिए अब सभी की नजरें आरबीआई की फरवरी 2025 एमपीसी पर हैं। केंद्रीय बैंक का मौद्रिक नीति पैनल नए गवर्नर संजय मल्होत्रा की अगुआई में पहली बार मीटिंग करेगा। यह बैठक 2025-26 के केंद्रीय बजट के तुरंत बाद होगी, जिसमें मोदी सरकार के तीसरे चरण के आर्थिक और राजकोषीय रोडमैप को पेश किया जाएगा। वैश्विक तनाव और अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के मद्देनजर इसकी अहमियत काफी ज्यादा रहने वाली है।

ज्यादातर आर्थिक जानकारों का मानना है कि भारत की जीडीपी ग्रोथ आने वाले समय में शानदार रहा है, क्योंकि हमारी आर्थिक बुनियाद काफी मजबूत है। यहां ग्रोथ की भी अपार संभावनाएं हैं। 2024-25 के लिए, रियल जीडीपी ग्रोथ 6.6 फीसदी और 2025-26 की पहली तिमाही के लिए 6.9 फीसदी रहने का अनुमान है। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार, अगले वित्त वर्ष में जून तिमाही में ग्रोथ 7.3 फीसदी तक जा सकती है।

अडानी ने दिया ऑर्डर तो इस शेयर में लग गए पंख, 5% बढ़ा भाव, आपका है दांव?

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए साल के पहले दिन यानी 1 जनवरी को शेयर बाजार में रौनक लौट आई है। इस पॉजिटिव माहौल के बीच पावर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के शेयर की भी भारी डिमांड थी। अडानी समूह की कंपनी अडानी पावर से 294 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिलने के बाद इस शेयर को खरीदने की लूट सी मच गई।

शेयर का भाव- ट्रेडिंग के दौरान सिविल कंस्ट्रक्शन कंपनी- पावर मेक प्रोजेक्ट्स के शेयरों में 5 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई और भाव 2700 रुपये पर पहुंच जाता। अगस्त 2024 में यह शेयर 3,725 रुपये के स्तर पर था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। जून 2024 में शेयर की कीमत 2,080.50 रुपये के निचले स्तर पर आ गई। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है।

पावर मेक प्रोजेक्ट्स ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में कहा- हमारी कंपनी ने ओवरहालिंग सर्विसेज, स्थिति मूल्यांकन के लिए अडानी पावर लिमिटेड से 294 करोड़ रुपये का ऑर्डर हासिल किया है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

दैनिक हिन्दकुश

नए वर्ष के पहले दिन ही जिला मुख्यालय पर लोकायुक्त की पहली कार्रवाई सामने आई

बड़वानी। नए वर्ष के पहले दिन ही जिला मुख्यालय पर लोकायुक्त की पहली कार्रवाई सामने आई। इस दौरान सहायक संचालक मत्स्य उद्योग नारायण प्रसाद रायकवार को पांच हजार रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा है। इन पर आरोप है कि सहायक संचालक नारायण प्रसाद रायकवार ने हाईकोर्ट में स्टे का जवाब भेजने के एवज में फरियादी से पांच हजार की मांग की थी।

लोकायुक्त डीएसपी दिनेशचंद्र पटेल ने बताया कि फरियादी महेश दिलवारे पुत्र फक्कन दिलवारें (43) व्यवसाय मछली पालन निवासी कहार मोहल्ला राजपुर जिला बड़वानी ने राजपुर जनपद के ग्राम जलगोन अंतर्गत सिंचाई जलाशय जल क्षेत्र 85.780 हेक्टेयर को पट्टे पर लेकर समिति के माध्यम से मछली पालन का काम करता है।पट्टे को रिन्यू कराना चाहता था आवेदक

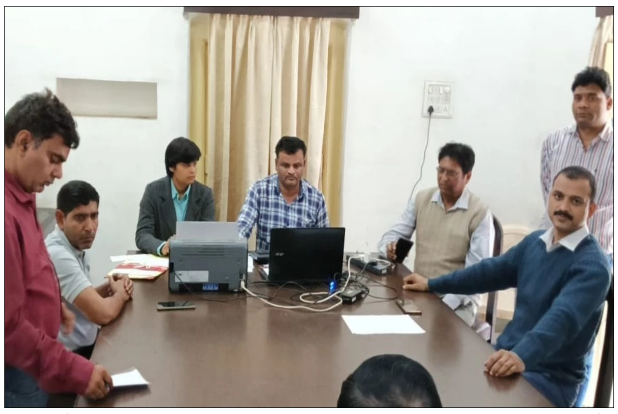

इसके द्वारा तालाब का पट्टा वर्ष 2013 में 10 साल के लिए लिया गया था। पट्टे को रिन्यू करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया था। जिसे कलेक्टोरेट बड़वानी ने गलती पाए जाने पर निरस्त कर दिया गया था। इसके बाद जनपद पंचायत राजपुर ने दोबारा विज्ञापन जारी किया था। जिस पर आदिवासी डूब प्रभावित मछुआ समूह जलगोन के अध्यक्ष बधा की ओर से उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर से स्थगन आदेश लिया गया। इसी स्थगन आदेश का जवाब 55 वर्षीय आरोपित नारायण प्रसाद रायकवार सहायक सचालक मत्स्योद्योग द्वारा प्रस्तुत करने की एवज में आवेदक से रिश्वत की मांग की जा रही थी।

दो दिन पूर्व की थी शिकायत, ट्रैप

लोकायुक्त डीएसपी ने बताया कि उक्त संबंध में फरियादी ने दो दिन पूर्वशिकायत दर्ज कराई थी। बुधवार को ही लोकायुक्त में शिकायत की जांच की गई। शिकायत सही पाई जाने पर तत्काल ट्रैप दल का गठन किया। इसके बाद आरोपित को उसके कार्यालय में ही पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों ट्रैप किया।

इसके बाद आरोपित को लोक सेवा केंद्र के पास पुराने सर्किट हाउस लाया गया। यहां नियमानुसार कार्रवाई की गई। भ्रष्टाचार अधिनियम में मामला दर्ज लोकायुक्त टीम ने आरोपित के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संशोधन अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। संज्ञान कार्रवाई कर आरोपित को मुचलके पर छोड़ा जाएगा।

प्रदेश के नौ आइपीएस अधिकारी पदोन्नत किए गए

भोपाल। प्रदेश के नौ आइपीएस अधिकारी पदोन्नत किए गए हैं। इनमें पुलिस आयुक्त (आइजी) इंदौर संतोष कुमार सिंह को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) बनाया गया है। इसके अतिरिक्त चार डीआइजी को आइजी और चार पुलिस अधीक्षकों को डीआइजी बनाया गया है। इसके अतिरिक्त 2012 बैच के 18 आईपीएस अधिकारियों को प्रवर श्रेणी वेतनमान स्वीकृत किया गया है।

पदोन्नत डीआईजी नवीन पदस्थापना, सचिन कुमार अतुलकर आईजी, छिंदवाड़ा रेंज, कुमार सौरभ आईजी, चंबल रेंज कृष्णावेनी देसावतु आईजी, विसबल मध्य क्षेत्र, भोपाल।

मिल के एक हजार मजदूरों को जल्द मिलेगी बकाया राशि, सीएम मोहन यादव की घोषणा

बुरहानपुर। बीते पच्चीस साल से बकाया वेतन और ग्रेज्युटी पाने के लिए तरस रहे बंद हुई बहादरपुर सूत मिल के मजदूरों को अब जल्द उनका हक मिल जाएगा। नया साल शेष बचे मिल के करीब एक हजार मजदूरों के लिए भी खुशखबरी लेकर आया है।

दरअसल मंगलवार को ही मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन में आयोजित बैरवा जयंती समारोह के दौरान घोषणा की है, कि सरकार प्रदेश की बंद हुई मिलों के मजदूरों को ब्याज सहित उनका हक दिलाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने उज्जैन की विनोद मिल के मजदूरों को उनका हक दिलाया। इंदौर की हुकुमचंद मिल के मामले का भी समाधान किया।

ग्वालियर की जेसी मिल्स के मजदूरों को उनका हक दिलाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसके साथ शेष मिलों के मजदूरों को भी उनका हक दिलाया जाएगा। ज्ञात हो किवर्तमान में 56.55 करोड़ रुपये है देनदारी

मिल के परिसमापन को 25 वर्ष से अधिक का समय हो चुका है। मिल के 1200 से अधिक कर्मचारियों में से करीब 200 की बकाया राशि मिलने की आस में मृत्यु तक हो चुकी है।

इन श्रमिकों की 1999 में देयता एक करोड़ 51 लाख बताई गई थी।

वर्तमान में 31 मार्च 2024 की स्थिति में श्रमिकों की देनदारी ब्याज सहित 56 करोड़ 55 लाख 14 हजार 212 रुपये हो चुकी थी।

ज्ञात हो कि फरवरी 1998 में दिग्विजय सिंह की कांग्रेस सरकार के समय इस चालू मिल को कार्यशील पूंजी का अभाव बता कर बंद कर दिया गया था। इसके पश्चात अक्टूबर 1999 में संस्था को परिसमापन में ले लिया गया था।मिल का भवन तक हो चुका चोरी

संस्था को परिसमापन में लिए जाने के दौरान मिल का भवन, मशीनरी, वाहन, तार फेंसिंग, अधिकारियों के बंगले, श्रमिकों के क्वार्टर आदि सभी सही स्थिति में थे।

सुरक्षा के अभाव में वर्ष 1998 से 2003 के बीच मिल की मशीनों से लेकर दीवारें, ईंट,मिट्टी तक चोरी हो गई। वर्तमान में वहां केवल 57.83 एकड़ भूमि ही शेष बची है।

इसका वर्तमान सरकारी मूल्य 81 करोड़ रुपये है। यह भूमि इंदौर-अंकलेश्वर मार्ग से लगी होने के कारण बहुमूल्य है।

वर्तमान में यह भूमि जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र को हस्तांतरित कर दी गई है। अब इसे औद्योगिक उपयोग के अतिरिक्त अन्य शासकीय उपयोग में लेने पर विचार चल रहा है।

कलेक्टर ऑफिस की जनसुनवाई में बोरा भरकर शिकायतें लेकर पहुंचा युवक

ग्वालियर । परिवार बीमारियों से परेशान और खुद मजदूरी करके पेट पालने वाले जितेंद्र गोस्वामी को कलेक्टर की जनसुनवाई में देख सभी अधिकारी हैरान रह गए। इसका कारण था मोहना निवासी जितेंद्र गोस्वामी शिकायतों का बोरा लेकर पहुंचा था।

बोरे में पिछले छह सालों से लगातार वह पीएम आवास के लिए सरकारी दफ्तरों में आवेदन दे रहा था, उसकी किसी ने नहीं सुनी थी। परेशान होकर वह जहां भी शिकायत करने जाता पुरानी शिकायतों को साथ रखता था। मंगलवार को भी यही हुआ, जितेंद्र गोस्वामी बोरा लेकर पहुंचा।बोरे में मिले कागज ही कागज

पहले सुरक्षाकर्मियों को संदेह हुआ लेकिन जब बोरा चेक किया तो उसमें कागज ही कागज थे। कलेक्टर रुचिका चौहान ने जितेंद्र की शिकायत को सुना और तकनीकी कारणों से जो जितेंद्र को आवास नहीं मिल पा रहा था, जांच कराकर जितेंद्र का नाम पीएम आवास प्लस योजना में जुड़वा दिया।128 लोगों की सुनवाई की गई

कलेक्ट्रेट की जन-सुनवाई में इस बार 128 लोगों की सुनवाई की गई। कलेक्टर को जितेंद्र ने अपनी व्यथा सुनाते हुए कहा कि पात्रता होने के बाबजूद भी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मेरे नाम से आवास मंजूर नहीं हुआ है। इसके लिये हमने नगर परिषद व विकासखंड स्तर पर कई बार प्रयास किए पर सफलता नहीं मिली।

वेटिंग लिस्ट में था नाम कलेक्टर ने उनके आवेदन के आधार पर छानबीन कराई, तब पता चला कि तकनीकी कारणों से जितेन्द्र गोस्वामी के लिए आवास मंजूर नहीं हो सका है। मोहना जब ग्राम पंचायत थी, तब उनका नाम प्रतीक्षा सूची में शामिल था।मोहना के नगर पंचायत बनने के बाद नए सिरे से लक्ष्य और प्राथमिकता क्रम का निर्धारण हुआ। इस वजह से जितेन्द्र के लिये आवास स्वीकृत होने में देरी हुई। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री आवास प्लस योजना में उनका नाम शामिल करा दिया है। अब जल्द ही जितेन्द्र के खाते में मकान बनाने के लिए पहली किश्त पहुंच जाएगी।

यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री से पूरी तरह हट जाएगा रासायनिक कचरा

भोपाल। यूनियन कार्बाइड कारखाना परिसर में 40 वर्षों से दफन जहरीले कचरे के अंतिम निपटान की प्रक्रिया तेज हुई है। इस बीच बड़ा सवाल है कि क्या अभी हटाए जा रहे कचरे के बाद फैक्ट्री इस कचरे से पूरी तरह मुक्त हो जाएगी। नईदुनिया ने जनता के इस मुद्दे पर गैस राहत एवं पुनर्वास विभाग के संचालक स्वतंत्र कुमार सिंह से सवाल पूछे।

उनका कहना था कि यूका का 40 वर्ष पुराना जहरीला कचरा समाप्त किया जाना मतलब एक काला अध्याय का खत्म होना है। उच्च न्यायालय के आदेश का

पालन करते हुए पूरी कार्यवाही की जा रही है। यह मेरे पद पर रहते हुए हो रहा है, यह मेरे लिए व्यक्तिगत गर्व का विषय भी है। प्रस्तुत हैं उनसे बातचीत के प्रमुख अंश...प्रश्न - यूनियन कार्बाइड कारखाना परिसर में किस तरह का कचरा था, जिसे नष्ट करने के लिए भेजा जा रहा है?

उत्तर - दो-तीन दिसंबर 1984 की रात में हुई मिथाइल आइसोसाइनेट गैस रिसाव के बाद का यह रासायनिक कचरा है। न्यायालय के आदेश तीन दिसंबर 2024 के परिपालन में यह रासायनिक कचरा पीथमपुर में जलाया जाना है।प्रश्न - 337 टन कचरा हटने के बाद क्या यह फैक्ट्री जहरीले कचरे से पूरी तरह मुक्त हो गई है?

उत्तर - जी हां यह हम मान सकते हैं कि रासायनिक कचरे से कारखाना पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। दरअसल 40 वर्ष पुरानी त्रासदी का मामला 20 साल से न्यायालय में चल रहा है।

यूनियन कार्बाइड के शेष बचे 337 मीट्रिक टन रासायनिक अपशिष्ट का होगा विनष्टीकरण

इंदौर। संचालक गैस राहत एवं पुनर्वास श्री स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया है कि केन्द्र सरकार की ओवर साइट कमेटी के निर्देशों एवं सुपरविजन के अनुसार यूनियन कार्बाइड के शेष बचे 337 मीट्रिक टन रासायनिक अपशिष्ट के विनष्टीकरण की कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि 337 मीट्रिक टन यूसीआईएल अपशिष्ट की पैकिंग, लोडिंग और परिवहन सीपीसीबी द्वारा निर्धारित मापदंडों के अनुसार और सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों के साथ विशेष 12 कंटेनरों से किया जायेगा। कंटेनर्स के साथ पुलिस सुरक्षा बल, एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड तथा क्विक रिस्पॉंस टीम रहेगी। यह कंटेनर लीक प्रूफ एवं फायर रेजिस्टेंट हैं। प्रति कंटेनर 2 प्रशिक्षित ड्राइवर नियुक्त किये गये हैं। इन कंटेनरों का मूवमेंट जीपीएस द्वारा मॉनिटर किया जायेगा। अपशिष्ट का परिवहन भोपाल से पीथमपुर टीएसडीएफ तक एक ग्रीन कॉरिडोर बनाकर शीघ्र किया जायेगा। संचालक श्री सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक इकाइयों में निकलने वाले रासायनिक तथा अन्य अपशिष्ट के निष्पादन के लिये धार जिले के पीथमपुर में एकमात्र प्लांट है, जहां पर भस्मीकरण से अपशिष्ट पदार्थों का विनष्टीकरण किया जाता है। यह प्लांट प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित उद्योगों द्वारा जनित खतरनाक एवं रासायनिक अपशिष्ट के सुरक्षित निष्पादन के लिये स्थापित किया गया है। यह प्लांट सेन्ट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड (सीपीसीबी) के दिशा-निर्देशानुसार संचालित है। सीपीसीबी की मॉनिटरिंग में सभी निर्धारित पैरामीटर अनुसार सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए 10 मीट्रिक टन अपशिष्ट विनिष्क्रिकरण का ट्रॉयल रन-2015 में किया गया। शेष बचे 337 मीट्रिक टन रासायनिक अपशिष्ट पदार्थों का निष्पादन सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर पारित आदेशों के अनुक्रम में तथा उच्च न्यायालय द्वारा गठित ओवर साइट कमेटी/टास्क फोर्स कमेटी के निर्णय 19 जून 2023 के अनुक्रम में किया जा रहा है।

पीथमपुर में अत्याधुनिक बुनियादी ट्रीटमेंट, स्टोरेज एवं डिस्पोजल फेसिलिटी (टीएसडीएफ) अनुसार वर्ष-2006 से अन्य संस्थाओं के अपशिष्ट का भस्मीकरण ठीक उसी प्रकार से किया जा रहा है, जैसे लगातार क्रियाशील यूसीआईएल में अपशिष्ट संग्रहित हैं। देश में पीथमपुर जैसे 42 संयंत्र क्रियाशील हैं, जिसमें ऐसे रासायनिक अपशिष्ट पदार्थों का उपचार उपरांत निपटान किया जाता है। पीथमपुर में स्थापित यह कॉमन हैज़र्डस वेस्ट ट्रीटमेंट, स्टोरेज और डिस्पोज़ल फैसिलिटी (ष्टद्धङ्ख-ञ्जस्ष्ठस्न) एक अत्याधुनिक सुविधा है, जिसमें खतरनाक कचरे को सटीकता और सुरक्षा के साथ निष्पादन करने हेतु डिज़ाइन किया गया है। री-सस्टेनेबिलिटी लिमिटेड की सहायक कंपनी क्कद्बह्लद्धड्डद्वश्चह्वह्म् (पीथमपुर इंडस्ट्रियल वेस्ट मेनेजमेंट प्रा.लि.) द्वारा संचालित, यह सुविधा भस्मीकरण, लैंडफ़िल प्रबंधन और उत्सर्जन नियंत्रण के लिए उन्नत तकनीकों का उपयोग कर अपशिष्टों का निष्पादन करती है। अपशिष्टों के निष्पादन के दौरान इस सुविधा द्वारा लगातार जल एवं वायु मापन कार्य किया जाता है। इस प्रकार यह सुविधा खतरनाक कचरे को पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित रूप से निपटाने और प्राकृतिक संसाधनों को दूषित करने के जोखिम को कम करने के लिये विशिष्ट समाधान प्रदान करती है।

संचालक श्री सिंह ने बताया कि सीपीसीबी द्वारा 2015 में किये गये यूसीआईएल अपशिष्ट विनिष्क्रिकरण के ट्रायल रन के दौरान तथा बाद में उत्सर्जन मानक, निर्धारित राष्टीय मानकों के अनुरूप पाये गये। परिणामों के आधार पर वर्णित किया गया है कि यूसीआईएल. कचरे के निष्पादन पश्चात किसी तरह के हानिकारक तत्व पानी अथवा वायु में नहीं पाये गये तथा इनसीनेरेशन (भस्मीकरण) के पश्चात शेष बचे रेसीड्यूज़ का निष्पादन टीएसडीएफ (ट्रीटमेंट स्टोरेज एंड डिस्पोजल फेसेलिटी) में लैण्ड फिल के माध्यम से डबल कम्पोजिट लाइनर सिस्टम से किया गया। इसका किसी भी प्रकार का दुष्प्रभाव पर्यावरण एवं स्वास्थ्य पर नहीं पाया गया। श्री सिंह ने बताया कि यह सीपीसीबी का कथन है, जिसकी पुष्टि संबंधित अधिकारियों द्वारा की गई है। उक्त स्थिति से सर्वोच्च न्यायालय को भारत सरकार द्वारा शपथ पत्र द्वारा अवगत कराया गया है।

संत बालीनाथ जयंती पर सुबह प्रभात फेरी, प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचे सैकड़ो समाजजन

इंदौर। बैरवा समाज के आराध्य देव संत बालीनाथ जयंती बड़ी धूमधाम से इंदौर में मनाई गई कड़ाके की सर्दी में सुबह प्रभात फेरी निकाली गई तो सुबह पूर्वी क्षेत्र में भव्य प्रतिमा पर माल्यार्पण कर महाप्रसादी का वितरण भी किया गया हजारों की संख्या में समाजजानो ने सहभागी रहे।

अखिल भारतीय बैरवा महासभा मध्यप्रदेश इकाई- अतिरिक्त महामंत्री राजू कुवाल ने बताया कि संत शिरोमणि 1008 बालीनाथ महाराज की जयंती पर पूर्वी क्षेत्र में महिला पुरुष बच्चों ने भव्य प्रभात फेरी निकाली नेहरू नगर, अंबेडकर, नगर, विकास नगर, परदेशीपुरा , कुलकर्णी नगर, लाल का बगीचा, पंचम की फेल, रुस्तम का बगीचा से समाज जैन शामिल हुए संत बालीनाथ महाराज के जयकारे लगाए गए। मालवा मिल बालीनाथ चौराहा पर भव्य प्रतिमा स्थल पर एकत्रीकरण के बाद प्रतिमा पर माल्यार्पण कियागया। बड़ी संख्या में समाज जनो ने सामाजिक एक जुटता का संकल्प लिया, इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजू कुवाल, सुभाष रेशवाल, चंद्र मरमत ,राकेश गोठवाल, मदन मिमरोट, रामकरण गोठवाल, महेश जीनवाल, नंदकिशोर बैंडवाल, हंसराज गंगवाल, लच्छू मिमरोट, कन्हैया सिमरोट,कैलाश गोठवाल,रत्नेश कुवाल,रूपेश लोटवाल आदि गणमान्य जन मौजूद थे।

कीर्तिमानों के शहर इंदौर में बना 129 घण्टे अनवरत गायन का विश्व कीर्तिमान

इंदौर। नए वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए केकेसी क्लब एवं संगीत सेवा सहारा के संयुक्त तत्वावधान मे इंदौर के अभिनव कला समाज सभागार मे 124 घण्टे सतत गायन के कार्यक्रम का शुभारम्भ म.प्र. के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने 24 दिसंबर को किया और समापन 29 दिसंबर को विश्व प्रसिद्ध प्ले बेक गायक मोहम्मद रफी के सुपुत्र शाहिद रफी ने किया. इस आयोजन मे इंदौर सहित अन्य प्रदेशों से भी गायक कलाकार इंदौर आए एवं कुछ अपने घर बैठे ऑनलाइन के माध्यम से भी शामिल हुए. इस दौरान अतिथियों ने कहा कि इंदौर महान गायकों की जन्म और कर्म स्थली रहा है। 129 घण्टे मे कुल 530 कलाकार शामिल हुए और लगभग 2000 गीत कराओके ट्रैक पर सुनाए गए, प्रसन्नता की बात है की इंदौर ने 129 घण्टे का विश्व कीर्तिमान बनाया. संस्थान के अध्यक्ष दीपक पाठक एवं संरक्षक रेखा रावल ने बताया कि समारोह में 4 वर्ष की उम्र से लेकर 84 वर्ष की उम्र के 530 नए एवं स्थापित गायक कलाकारों ने अपनी पसंद के गीत कराओके ट्रैक पर गाए। गायन के क्षेत्र मे नए-नए कलाकारों को मंच उपलब्ध करवाने हेतु केकेसी क्लब एवं संगीत सेवा सहारा हमेशा प्रयासरत रहता है। इस आयोजन को संगीत सेवा सहारा और केकेसी क्लब के फेसबुक से ऑनलाईन प्रसारित किया गया। दुनियाभर से आनलाईन लिंक के माध्यम से इस आयोजन मे गायक एवं दर्शक जुड़ते गए और लाखों लोगों ने आयोजन को देखा और सराहा, आयोजन के दौरान आने वाले अतिथियों का स्वागत विनय जैन, मनीष पगारे, अजय डाबी, दीपक शर्मा, लक्ष्मी शर्मा एवं ओमप्रकाश भारती, राधाकिशन कदम ने किया। आयोजन मे मां सरस्वती को प्रसन्न करने के लिए पूरे समय तक अखंड ज्योत भी जलाई गई थी. अंत मे आभार कार्यकारी अध्यक्ष मनीष जी पगारे ने माना।

झाबुआ पुलिस का सराहनीय कार्य

इंदौर। झाबुआ के विकास उन्नति, सामाजिक सुधार और सशक्तिकरण के लिये समाज के समक्ष परिवर्तन का पथिक बनना अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य, लक्ष्य को लेकर झाबुआ पुलिस अधीक्षक श्री पद्म विलोचन शुक्ल के द्वारा ÷झाबुआः परिवर्तन का पथिक÷ पत्रिका का प्रकाशन हित, समाज में परिवर्तन के लिये संभव हुआ है। झाबुआ पुलिस सामुदायिक कार्यों के लिये कृत संकल्पित है। पुलिस प्रशासन व जनता के मध्य मधुर संबंध के साथ सद्?भाव उत्पन्न हो सके इस उद्देश्य के साथ झाबुआ जिले में रक्षा सरभी कार्यक्रम भी पुलिस द्वारा आयोजित हो रहे है। जिससे आम जनता में जागरूकता उत्पन्न हो रही है।

जनसुनवाई में आ रही समस्याओं के समय-सीमा में निराकरण की विशेष व्यवस्था

इंदौर। प्रति मंगलवार की तहत इस मंगलवार भी कलेक्टर कार्यालय में जनसुनवाई सम्पन्न हुई। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर उनका सहानुभूतिपूर्वक निराकरण किया। साथ ही अन्य अधिकारियों ने कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष और अपने-अपने कक्षों में भी नागरिकों की समस्याओं को सुना और उनका मौके पर ही निराकरण किया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बताया कि आवेदकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। यह तय किया गया है कि आवेदकों की समस्याओं के समय-सीमा में निराकरण को सुनिश्चित करने के लिए विशेष व्यवस्था के तहत उनके प्रकरण सीएम हेल्पलाइन में दर्ज किए जा रहे हैं। समय-सीमा में निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे हर हाल में समय-सीमा में समस्याओं का निराकरण करें। अपनी समस्याओं के निराकरण के लिए आवेदकों को भटकना नहीं पड़े।

यातायात सुधार की मुहिम को गति देकर और अधिक प्रभावी बनाया जायेगा

इंदौर में 72 बेसमेंट को किया गया पार्किंग में परिवर्तित

इंदौर। इंदौर शहर में यातायात सुधार की मुहिम लगातार जारी है। इस मुहिम को गति देकर और अधिक प्रभावी बनाए जाएगा। मुहिम के तहत जिला प्रशासन, नगर निगम, यातायात पुलिस, इंदौर विकास प्राधिकरण, लोक निर्माण सहित अन्य विभागों के संयुक्त प्रयासों से सड़कों एवं चौराहों के तकनीकी सुधार, सौंदर्यीकरण, सड़कों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण हटाकर उन्हें बाधा मुक्त करने, बेसमेंट को पार्किंग में परिवर्तित करने सहित अन्य गतिविधियां चल रही है। अभियान को गति देने के लिए आज यहां कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई।

बैठक में नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, डीसीपी ट्रैफिक श्री अरविंद तिवारी, अपर आयुक्त श्री रोहित सिसोनिया, स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, अपर कलेक्टर श्रीमती ज्योति शर्मा तथा श्री रोशन राय, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर.पी. अहिरवार सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी और यातायात विशेषज्ञ मौजूद थे। बैठक में शहर के मुख्य मार्गो पर यातायात को सुगम बनाने के लिए ऐसे भवन जिनके बेसमेंट के पार्किंग को पार्किंग की जगह अन्यंत्र उपयोग किया जा रहा है के विरुद्ध की जा रही कार्रवाई के लिये चलाये जा रहे अभियान की प्रगति की समीक्षा की गई। बताया गया कि इस अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आये है। अभी तक सभी वार्डों में 134 भवनों के पार्किंग का अन्यंत्र उपयोग करने पर उन्हें सील करने की कार्रवाई की गई। इसमें से 7 बेसमेंट को सीएमडी वेस्ट भरकर बंद किया गया। साथ ही 72 भवन के बेसमेंट को पार्किंग में परिवर्तित किया गया है। इससे लगभग दो हजार से अधिक दोपहिया और चार पहिया वाहनों के पार्किंग की सुविधा मिली है। इससे पार्किंग व्यवस्था तथा यातायात को सुगम बनाने में मदद मिली है। इस तरह का अभियान लगातार जारी रहेगा। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि शेष बचे भवनों के बेसमेंट को भी शीघ्र पार्किंग में परिवर्तित कराये। बेसमेंट को पार्किंग में परिवर्तित नहीं करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए।

बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए कि वाहन निश्चित स्थान पर ही पार्क हो, सड़कों पर वाहन पार्क कर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने निर्देश दिए कि यह सुनिश्चित किया जाए की सड़क सुरक्षा समिति के बगैर अनुमोदन के कोई भी स्पीड ब्रेकर नहीं बने। स्पीड ब्रेकर बनाने के लिए सड़क सुरक्षा समिति से अनुमोदन प्राप्त किया जाए। यह देखा जा रहा है कि बगैर तकनीकी मार्गदर्शन के स्पीड ब्रेकर बन रहे हैं जिससे दुर्घटना की हमेशा आशंका रहती है।

बैठक में गुजरात राजस्थान और दिल्ली की ओर जाने वाली बसें कुमेड़ी स्थित आईएसबीटी से संचालित करने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सड़कों एवं फुटपाथों से अतिक्रमण तथा अन्य बाधाएं हटाने के लिए की जा रही कार्रवाईयों की जोनवार समीक्षा की। उन्होंने इस संबंध में चलाए जा रहे हैं अभियान को और अधिक गति देकर प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नए मार्ग भी चिन्हित कर उक्त कार्रवाई तेज की जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने बैठक में उपस्थित सभी जोनल अधिकारियों से चर्चा कर की जा रही कार्रवाईयों की जानकारी ली। उन्होंने सभी जोनल अधिकारियों से कहा कि वे इस तरह की कार्रवाई सतत रूप से करते रहें। समझाइश और कार्यवाही के बाद पुनः सामग्री रख सड़क या फुटपाथ पर यातायात बाधित करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए। श्री सिंह ने कहा कि इंदौर में इस तरह के कार्य करने की और भी जरूरत है। जहां कार्रवाई हुई है वहां पर लगातार निगरानी रखी जाए। यह ध्यान रखा जाए की पुनः अतिक्रमण नहीं हो और कोई यातायात को बाधित नहीं करता है।

अवन्तिकायाम विहित्वारम मुक्ति प्रदायनाय च सजनाम,
अकाल मृत्यु परिरक्शनाय, वन्दे महाकाल महा सुरेश्वरम
भूतभावन भगवान श्री महाकाल महाराज सभी को आरोग्यता प्रदान करें

पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा महाकाल मंदिर एवं हरसिद्धि माता मंदिर का दौरा एवं फोर्स को ब्रीफ किया गया

उज्जैन। नव वर्ष के अवसर पर उज्जैन जिले के पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा ने महाकालेश्वर मंदिर और हरसिद्धि माता मंदिर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने मंदिरों में दर्शन कर पूजा-अर्चना की और जिले में शांति, सुरक्षा और समृद्धि की कामना की।

पुलिस अधीक्षक ने महाकाल मंदिर परिसर में सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया और यह सुनिश्चित किया कि दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं को अधिकतम 40 मिनट में दर्शन की सुविधा प्रदान की जाए। उन्होंने मंदिर प्रबंधन और पुलिस बल को निर्देशित किया कि दर्शन व्यवस्था सुचारु और अनुशासित रहे।

इसके अतिरिक्त, पुलिस अधीक्षक ने हरसिद्धि माता मंदिर का भी दौरा किया और वहां की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने सभी तैनात फोर्स को ब्रीफ किया और निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाए।

ट्रैफिक व्यवस्था पर जोर देते हुए पुलिस अधीक्षक ने ट्रैफिक पुलिस को निर्देश दिया कि मंदिर क्षेत्र और आसपास की सड़कों पर यातायात को सुगम बनाया जाए। पार्किंग की उचित व्यवस्था के साथ-साथ भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष उपाय सुनिश्चित किए गए हैं।

उन्होंने पुलिस बल से अपील की कि वे हर परिस्थिति में सतर्क और जनसेवा के प्रति समर्पित रहें। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की गई हैं।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि उज्जैन जिले में नववर्ष के दौरान सभी श्रद्धालुओं और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। पुलिस प्रशासन श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित दर्शन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संस्कार चौरसिया 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2025' में मध्य प्रदेश के प्रतिनिधि समूह में शामिल

गरीब कुम्हार एवं अनुसूचित जाति वर्ग की मौसम की मार से टूटी कमर

उज्जैन। विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विक्रम विश्वविद्यालय के छात्र संस्कार चौरसिया को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2025' में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित किया गया है। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम 11-12 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा।

भारत सरकार द्वारा तीन चरणों में चयन प्रक्रिया को आयोजित किया गया। प्रतियोगिता का पहला चरण एक चुनौतीपूर्ण प्रश्नोत्तरी थी, जिसमें प्रतिभागियों के ज्ञान और तर्कशक्ति की परीक्षा ली गई। विक्रम विश्वविद्यालय के आठ छात्रों ने सैकड़ों प्रतिभागियों में से इस चरण में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया।

दूसरे चरण में प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय महत्व के 10 विषयों पर 1000 शब्दों के निबंध प्रस्तुत किए। विश्वविद्यालय के चार छात्रों, संस्कार चौरसिया, सावन सिंह, सौरभ और आइशा ने अपनी रचनात्मकता और प्रभावशाली लेखन शैली से निर्णायकों को प्रभावित करते हुए तीसरे चरण में जगह बनाई। इस चरण में सावन सिंह ने भारत को स्टार्टअप की राजधानी बनाने÷ पर लिखे अपने निबंध के लिए मध्य प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया।तीसरे और अंतिम चरण में चयनित छात्रों को भोपाल में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करने का अवसर मिला।

इस दौर में संस्कार चौरसिया ने अपनी स्पष्ट दृष्टि, शोध, और प्रस्तुति कौशल से निर्णायक मंडल को प्रभावित करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर अपना स्थान सुनिश्चित किया।संस्कार चौरसिया को प्रधानमंत्री के सामने अपने विचार प्रस्तुत करने का आमंत्रण मिला है। यह न केवल विक्रम विश्वविद्यालय बल्कि पूरे मध्य प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। इस उपलब्धि ने यह सिद्ध कर दिया है कि विक्रम विश्वविद्यालय के छात्र भविष्य के नेतृत्व के लिए पूरी तरह से सक्षम हैं।यह प्रशिक्षण कुलगुरु डॉ. अर्पण भारद्वाज के मार्गदर्शन में रासेयो कार्यक्रम समन्वयक डॉ विजय वर्मा द्वारा आईईईएन के फाउंडर शुभम चौहान के विशेष सहयोग से आयोजित कराया गया।

अजाक्स एवं युवा छात्र संघ ने भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस मनाया

उज्जैन। कोठी पैलेस स्थित अजाक्स कार्यालय पर अजाक्स जिला उज्जैन एवं अनुसूचित जाति जनजाति युवा छात्र संघ द्वारा जिला अध्यक्ष डॉ आर एल परमार के नेतृत्व में भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस मनाया गया। मीडिया प्रभारी डी एल भीलवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि शौर्य दिवस पर अजाक्स एवं अनुसूचित जाति जनजाति युवा छात्र संघ ने भीमा कोरेगांव को याद किया और बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। जिला अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहां की भीमा कोरेगांव मे 500 बहुजन वीर योद्धाओ ने 1 जनवरी 1818 को 28000 पेशवाओं की सेना को पराजित किया था।

सरल जी की हर कृति एक शहीद स्तम्भ-सुपेकर

उज्जैन। सरल जी की हर कृति एक शहीद स्तम्भ है। राष्ट्र को आज उन पर गर्व और दम्भ है। सरल काव्यांजलि संस्था द्वारा सरल प्रतिमा पर आयोजित पुष्पांजलि कार्यक्रम में उक्त पंक्तियाँ संस्था महासचिव संतोष सुपेकर ने पढ़ी। राष्ट्रकवि श्रीकृष्ण सरल की 127वीं जयन्ती पर आयोजित इस आयोजन की अध्यक्षता पूर्व नगर निगम अध्यक्ष प्रकाश चित्तौड़ा ने की। जानकारी देते हुए संस्था सचिव मानसिंह शरद ने बताया कि इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष डॉ. संजय नागर ने सरल जी की कविता मैं फूल नहीं कांटे अनियारे लिखता हूँ का वाचन किया। डॉ. पुष्पा चौरसिया, प्रदीप सरल, राजेंद्र देवधरे दर्पण, डॉ. रफीक नागौरी, हर्ष सैनी, वी.एस. गहलोत साकित उज्जैनी और मानसिंह शरद ने भी अपनी रचनाओं द्वारा सरल जी को श्रद्धांजलि दी। श्रीमती आशागंगा शिरढ़ोणकर, श्रीमती गिरजा ठाकुर, संजय जैन, राजीव लोचन ठाकुर, महेन्द्र सिंह सिसोदिया, श्रीमती सुमन नागर, अनिल कुमार चौबे, अमित सुपेकर, हरदयाल सिंह ठाकुर एडवोकेट, संजय जौहरी, नारायण मंघवाणी और मराठा सेवा संघ के अध्यक्ष राजहंस गायकवाड आदि ने भी अपने शब्दों से सरल जी को नमन किया।

उज्जैन शहर में एक अनोखे कार्निवल चौपाल 24 का समापन हुआ

उज्जैन। इस 3 दिवसीय मेले का आयोजन फूड नामा और चुल्हा पंजाब दा (सी पी डी) द्वारा संयुक्त रूप से शर्मा परिसर देवास रोड पर आयोजित किया गया।

इंस्टाग्राम के लोकप्रिय और प्रसिद्ध पेज फूड नामा की एडमिन नीतिका लिग्गा ने बताया की इस तीन दिवसीय कार्निवल चौपाल में संगीत, योग, भारतीय नृत्य एवं सामाजिक कार्यक्रम किए गए ।

प्रथम दिवस 27 दिसंबर को संगीत के कार्यक्रम में शर्मा बंधु बैंड, आर के बंसल स्कूल के आर्केस्ट्रा बैंड ने अद्भुत प्रस्तुति दी।

द्वितीय दिवस 28 दिसंबर को उज्जैन के जाने-माने स्कूल के विद्यार्थियों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। स्टैनफ़ोर्ड स्कूल के बच्चों ने रिद्मिक योगा और पोद्दार प्रेप स्कूल के नन्हे बच्चों के फैशन शो ने सबका मन मोह लिया। आयोजकों ने एक महत्वपूर्ण सत्र सभी स्कूल के बच्चों और पालकों के लिए आयोजित किया जिसे उज्जैन के एडिशनल एसपी डॉ नितेश जी भार्गव ने संबोधित किया। श्री भार्गव जी ने साइबर क्राइम के बारे में और उससे बचने के तरीके भी बताएं। और उद्बोधन के पश्चात श्रोताओं के जिज्ञासाओं का भी समाधान किया।

तीसरा सत्र मेगा हाऊजी का था जिसकी मुख्य अतिथि उज्जैन की जानी-मानी हस्ती डॉक्टर सलूजा मैडम और थी। इस हाउसिंग खेल में 50000 रुपए तक के उपहार दिए गए जिसमें स्मार्टफोन ,स्मार्ट वॉचेस, इयरफोन आदि विजेताओं को दिए ।

तृतीय दिवस 29 दिसंबर को उज्जैन शहर की जानी-मानी कला अकादमियों ने भाग लिया जिसमें प्रतिभा संगीत कला संस्थान, कला योगिनी, लोकायन कला केंद्र और स्कूल के बच्चों ने मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। तृतीय दिवस के द्वितीय सत्र में उज्जैन पुलिस की डीपीएस श्रीमती दीपिका जी शिंदे ने वहां पर उपस्थित बालिकाओं और उनके पालकों को महिला क्राइम एवं गुड टच और बैड टच के बारे में बताया एवं उससे बचने के तरीके बताएं। पालकों ने अपनी जिज्ञासा और प्रश्न किए जिनका श्रीमती शिंदे ने उनका समाधान किया । फ़ूड नामा से नीतिका लिग्गा ने बताया की उज्जैन में पहली बार इस तरह के कार्निवाल का आयोजन किया जिसमें कई उद्यमी महिलाओं ने अपने स्टॉल्स लगाए और चुल्हा पंजाब दा ने आगरा एवं लुधियाना के हलवाई बुलाकर उज्जैन वालों को स्वादिष्ट व्यंजन खाने का अवसर दिया। छोटे बच्चों के आमोद प्रमोद के लिए आयोजकों ने झूलो का भी इंतजाम किया था।

उज्जैन के कई गणमान व्यक्तियों ने इस कार्निवल की मुक्त कंठ से सहारना की और कुछ ने तो कहा की यह कार्निवल चौपाल 24,उज्जैन कार्तिक मेले का मिनिएचर स्वरूप है। इस कार्निवल की सफलता के पश्चात नीतिका लिग्गा ने कहा कि वह हर साल दिसंबर माह में इस कार्निवल का आयोजन करेंगे।

शिवा, ब्रह्म वॉरियर को मिला केपीएल चैम्पियंस का खिताब

उज्जैन। खण्डेलवाल युवा परिवार द्वारा आयोजित बहुप्रतीक्षित आयोजन खण्डेलवाल प्रीमियर लीग-3 में केपीएल चैम्पियंस का खिताब शिवा, ब्रह्म वॉरियर ने अपने नाम किया।

देवास रोड स्थित टर्फ पर आयोजित चैम्पियनशिप में इस बार दो केटेगरी युवा और वरिष्ठ समाज जनों की टीम के मैच आयोजित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक अनिल कालूहेड़ा, बीजेपी युवा मोर्चा अध्यक्ष हर्षवर्धन सिंह एवं बीजेपी युवा मोर्चा प्रदेश मंत्री अमय आप्टे थे। अतिथियो द्वारा विजेता टीम को ट्रॉफी प्रमाण पत्र देकर उत्साहवर्धन किया गया।

एक और युवा केटेगरी में 18 से 45 वर्ष के महिला पुरुष की 5 टीम रहीं जिनमे महाकाल वॉरियर, शंभु वॉरियर, शिवा वॉरियर, नटराज वॉरियर एवं नीलकंठ वॉरियर के बीच रोमांचक मैच आयोजित हुए तो वरिष्ठ केटेगरी में टीम ब्रह्म वॉरियर, विष्णु वॉरियर एवं महेश वॉरियर टीम के 45 से 65 उम्र के खिलाड़ियों के रोचक मैच हुए। सुबह से देर रात तक चले टूर्नामेंट में वरिष्ठ केटेगरी में कान्हा वाटिका परिवार की टीम ब्रह्मा वॉरियर एवं युवा केटेगरी में आनन्द भोग परिवार की टीम शिवा वॉरियर ने चैम्पियंस का कीर्तिमान प्राप्त किया। केपीएल-3 के संयोजक एग्रोकेम इंडस्ट्रीज एवं सह-संयोजक महाकाल फार्मा प्रवीण खण्डेलवाल व यामू पंचायत रहे। कार्यक्रम में समाज जनों के लिए दिन भर भोजन, बच्चो के लिए प्ले जोन भी बनाया गया। युवा परिवार अध्यक्ष शुभम सामरिया, सचिव मयंक मामोडिया, कोषाध्यक्ष सुमित झालानी, उपाध्यक्ष आकाश झालानी, सह सचिव विवेक मेहरवाल, कार्यकारणी सदस्य शिवम सामरिया, अमित सामरिया, प्रतीक मामोडिया, मयंक झालानी, अधिश मेहरवाल, संस्कार कुलवाल आदि ने सभी उपस्थित अतिथि एवं समाजजनों का धन्यवाद प्रेषित किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com